bjpkamaljyoti@gmail.com www.up.bjp.org

संवत 2079 युगाब्द 5124 कुल पृष्ठ –32 सितम्बर प्रथम – अंक – 3

वर्तमान कमल ज्योति

महन्त दिग्विजय नाथ जी व महन्त अवैद्यनाथ जी की पुण्यतिथि पर राम कथा

मुरादाबाद में प्रधानमंत्री आवास योजना का लोकार्पण

रामपुर में जनसभा

मऊ में 204 करोड़ की 47 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास

वर्तमान
कमल ज्योति

संरक्षक
श्री भूपेन्द्र सिंह
सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी
प्रबन्ध सम्पादक
राजकुमार
प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह
पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय
कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक
नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

www.up.bjp.org
bjpkamaljyoti
bjpkamaljyoti
@bjpkamaljyoti

नमोस्तुते!

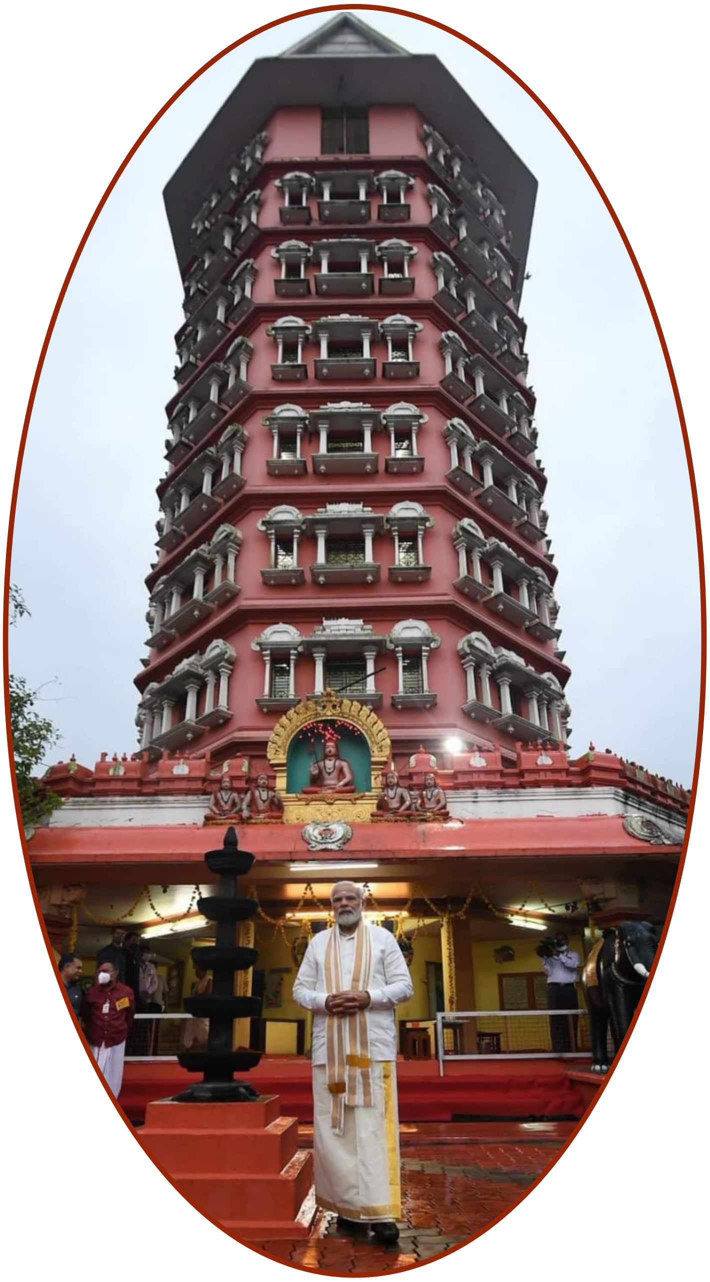

आज भारत के आदर्श अपने हैं, आयाम अपने हैं।
आज भारत के संकल्प अपने हैं, लक्ष्य अपने हैं।
आज हमारे पथ अपने हैं, प्रतीक अपने हैं।

प्रधानमंत्री **श्री नरेंद्र मोदी**

सम्पादकीय

सेवा सुशासन समर्पण संवेदना और समभाव

एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के अनगिनत कार्यकर्त्ता अपने हृदय में राष्ट्रभक्ति का ज्वार लेकर निकल रहे हैं संवेदना और सदभाव के उस समुद्र में जहां पर देश का कण–कण पूर्ण स्वाभिमान और सदभावना के साथ अग्रगामी होने को तैयार है। भारत एक बार फिर से सेवा और समर्पण के संसार में जाने को तत्पर है। देश की राजनीति में अपने अग्रगामी 20 वर्ष पूर्ण करने वाले भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी के जन्म अवसर पर भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्त्ता पूर्णांक की तरह से तत्पर हो रहा है। 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी के जन्म दिन 2 अक्टूबर तक भाजपा के कार्यकर्त्ता अपने पूर्ण समर्पण को तत्पर हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर खास अभियान चलाने की योजना कर रही है। भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन के मौके पर हमोर कार्यकर्ता एकबार फिर से 22 दिनों तक आम जनता के बीच जा रहे हैं। इस योजना के तहत भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को 22 दिनों तक चलने वाले सेवा एवं समर्पण अभियान की शुरुआत करेगी।

यह समर्पण ऐसे ही नहीं हो रहा है। इसके पीछे एक करिश्मा है। एक विजन है। देश के उज्जवल भविष्य की योजना है। ठीक 50 साल पहले 1971 के आम चुनाव में देश में नारा लगा था गरीबी हटाओ। देश तो बचा रहा लेकिन गरीबी नही हटी। गरीबी नारों से नहीं हटती है, गरीबी सौगात बांटने से नहीं दूर होती, गरीबी हटती है गरीबों को ताकतवर बनाने से। तभी पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं कि गरीबी को हटाने का काम सौगातें बांटकर नहीं हो सकता है, उनको सामर्थ्यवान बनाने से होगा। काम कितना ही कठिन क्यों न हो लेकिन देश का भला गरीबी की मुक्ति में ही है।

जिस देश में गरीबी हटाना वर्षों तक बस एक नारा था, वादे थे, दावे थे, पर गरीब हर कदम कदम पर हार। वह मेहनत करने से नहीं डरा, दिन रात उसने पसीना बहाया। आखिर कौन चाहता है गरीबी में ही पैदा होकर गरीबी में जीना। सौगात नहीं मांगी थी, उसने तो मांगी थी हिम्मत, एक–एक पसीने की बूंद की पूरी कीमत। मां को धुएं से आजाद कराना, अपने सपने का घर भी बनाना था और बैंक में एक खाता भी तो खुलवाना था। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र के रहने वाले उमेश कुमार मजदूरी करते हैं लेकिन अब थोड़े से पैसे बचा भी पाते हैं जिसे वो अपने जन धन खाते में जमा करते हैं। उमेश कहते हैं कि पहले खाता खुलवाने में बहुत परेशानी आती थी, लेकिन इस योजना के तहत खाता आसानी से खुल गया। जिसका अब हम कई प्रकार से लाभ लेते हैं।

जून 2022 तक के आंकड़ों के अनुसार, इस योजना के तहत खोले गए 43.35 करोड़ च्डश्रक्ल खातों में से 86.3ः खाते सक्रिय हैं। अगस्त 2015 से लेकर अगस्त 2020 के बीच इस योजना के तहत खातों की संख्या में 2.3 गुना वृद्धि और जमा राशि में 5.7 गुना वृद्धि देखी गई है। वर्तमान में इस योजना के तहत प्रति खाता औसत जमा राशि 3,239 रुपए तक पहुंच गई है। अगस्त, 2015 की तुलना में इस योजना के तहत प्रति खाता औसत जमा राशि में 2.5 गुने की वृद्धि देखी गई है।

इसी लिये सेवा समर्पण और गरीब कल्याण के लिये समर्पित प्रधानमंत्री के जन्म दिन पर भारतीय जनता पार्टी 'सेवा और समर्पण अभियान' चला रही है जो कि, 17 सितंबर को मोदी जी के जन्मदिन पर शुरू होगा और 7 अक्टूबर को समाप्त होगा। अभियान के हिस्से के रूप में प्रत्येक जिला इकाई पिछले सात वर्षों में नरेंद्र मोदी सरकार के काम का प्रचार करते हुए एक अनूठा अभियान आयोजित करेगी। इसमें स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविरों का आयोजन और प्रतियोगिताएं शामिल होंगी।

भाजपा पीएम मोदी के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाने जा रहा है। देश भर में व्यापक सेवा कार्यक्रमों की मेजबानी कर रहा है। सेवा सप्ताह के रूप में एक सप्ताह के लिए प्रदेश भर में कई कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन भी हो रहा है। नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक कार्यालय के प्रमुख के रूप में दो दशक पूरे किए। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में 13 वर्ष और भारत के प्रधान मंत्री के रूप में 7 वर्ष पूरे किया है इसलिये संपूर्ण अभियान अगल 22 दिनों तक चलेगा।

इन 20 दिनों में दिव्यांगों के प्रति समर्पण से लेकर गरीब कल्याण के लिये समर्पित योजनाओं के साथ कार्यकर्त्ता संपर्क करेंगें। इस अवसर पर प्रदेशभर में कार्यकर्त्ता रक्तदान करेंगे। पं0 दीन दयाल उपाध्याय के जन्मदिन 25 सितंबर को प्रदेश के सभी बूथों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। उसी दिन प्रधानमंत्री के मन की बात भी सुनी जायेगी। 31 अक्टूबर को सरदार पटेल के जन्मदिन को गरबी कल्याण कार्यक्रमों के लिये समर्पित किया जायेगा। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जी के जन्मदिन परे दिव्यांगों के कल्याण के लिये समर्पित रहेगा। ग्राम स्तर पर वृक्षारोपण और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा। सेवा और समभाव के साथ भाजपा राजनीति नहीं अपितु समर्पण के लिये कृतसंकल्पित होगी।

akatri.t@gmail.com

कर्तव्यबोध की प्रेरणा कर्तव्य पथ : नरेन्द्र

आजादी के अमृत महोत्सव में, देश को एक नई प्रेरणा मिली है, नई ऊर्जा मिली है। आज हम गुजरे हुए कल को छोड़कर, आने वाले कल की तस्वीर में नए रंग भर रहे हैं। आज जो हर तरफ ये नई आभा दिख रही है, वो नए भारत के आत्मविश्वास की आभा है। गुलामी का प्रतीक किंग्सवे यानि राजपथ, आज से इतिहास की बात हो गया है, हमेशा के लिए मिट गया है। आज कर्तव्य पथ के रूप में नए इतिहास का सृजन हुआ है। मैं सभी देशवासियों को आजादी के इस अमृतकाल में, गुलामी की एक और पहचान से मुक्ति के लिए बहुत–बहुत बधाई देता हूं।

आज इंडिया गेट के समीप हमारे राष्ट्रनायक नेताजी सुभाषचंद्र बोस की विशाल प्रतिमा भी, मूर्ति भी स्थापित हुई है। गुलामी के समय यहाँ ब्रिटिश राजसत्ता के प्रतिनिधि की प्रतिमा लगी हुई थी। आज देश ने उसी स्थान पर नेताजी की मूर्ति की स्थापना करके आधुनिक और सशक्त भारत की प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी है। वाकई ये अवसर ऐतिहासिक है, ये अवसर अभूतपूर्व है। हम सभी का सौभाग्य है कि हम आज का ये दिन देख रहे हैं, इसके साक्षी बन रहे हैं।

सुभाषचंद्र बोस ऐसे महामानव थे जो पद और संसाधनों की चुनौती से परे थे। उनकी स्वीकार्यता ऐसी थी कि, पूरा विश्व उन्हें नेता मानता था। उनमें साहस था, स्वाभिमान था। उनके पास विचार थे, विज़न था। उनके नेतृत्व की क्षमता थी, नीतियाँ थीं। नेताजी सुभाष कहा करते थे– भारत वो देश नहीं जो अपने गौरवमयी इतिहास को भुला दे। भारत का गौरवमयी इतिहास हर भारतीय के खून में है, उसकी परंपराओं में है। नेताजी सुभाष भारत की विरासत पर गर्व करते थे और भारत को जल्द से जल्द आधुनिक भी बनाना चाहते थे। अगर आजादी के बाद हमारा भारत सुभाष बाबू की राह पर चला होता तो आज देश कितनी ऊंचाइयों पर होता! लेकिन दुर्भाग्य से, आजादी के बाद हमारे इस महानायक को भुला दिया गया। उनके विचारों को, उनसे जुड़े प्रतीकों तक को नजर–अंदाज कर दिया गया। सुभाष बाबू के 125वें जयंती वर्ष के आयोजन के अवसर पर मुझे कोलकाता में उनके घर जाने का सौभाग्य मिला था। नेताजी से जुड़े स्थान पर उनकी जो अनंत ऊर्जा थी, मैंने उसे महसूस किया। आज देश का प्रयास है कि नेताजी की वो ऊर्जा देश का पथ–प्रदर्शन करे। कर्तव्यपथ पर नेताजी की प्रतिमा इसका माध्यम बनेगी। देश की नीतियों और निर्णयों में सुभाष बाबू की छाप रहे, ये प्रतिमा इसके लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

पिछले आठ वर्षों में हमने एक के बाद एक ऐसे कितने ही निर्णय लिए हैं, जिन पर नेता जी के आदर्शों और सपनों की छाप है। नेताजी सुभाष, अखंड भारत के पहले प्रधान थे जिन्होंने 1947 से भी पहले अंडमान को आजाद कराकर तिरंगा फहराया था। उस वक्त उन्होंने कल्पना की थी कि लालकिले पर तिरंगा फहराने की क्या अनुभूति होगी। इस अनुभूति का साक्षात्कार मैंने स्वयं किया, जब मुझे आजाद हिंद सरकार के 75 वर्ष होने पर लाल किले पर तिरंगा फहराने का सौभाग्य मिला। हमारी ही सरकार के प्रयास से लालकिले में नेता जी और आजाद हिन्द फौज से जुड़ा म्यूज़ियम भी बनाया गया है।

मैं वो दिन भूल नहीं सकता जब 2019 में गणतंत्र दिवस की परेड में आजाद हिन्द फौज के सिपाहियों ने भी हिस्सा लिया था। इस सम्मान का उन्हें दशकों से इंतजार था। अंडमान में जिस स्थान पर नेताजी ने तिरंगा फहराया था, मुझे वहां भी जाने था, जाने का अवसर मिला, तिरंगा फहराने का सौभाग्य मिला। वो क्षण हर देशवासी के लिए गर्व का क्षण था।

अंडमान के वो द्वीप, जिसे नेताजी ने सबसे पहले आजादी दिलाई थी, वो भी कुछ समय पहले तक गुलामी की निशानियों को ढोने के लिए मजबूर थे! आज़ाद भारत में भी उन द्वीपों के नाम अंग्रेजी शासकों के नाम पर थे। हमने गुलामी की उन निशानियों को मिटाकर इन द्वीपों को नेताजी सुभाष से जोड़कर

भारतीय नाम दिए, भारतीय पहचान दी।

आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर देश ने अपने लिए 'पंच प्राणों का विजन रखा है। इन पंच प्राणों में विकास के बड़े लक्ष्यों का संकल्प है, कर्तव्यों की प्रेरणा है। इसमें गुलामी की मानसिकता के त्याग का आवाहन है, अपनी विरासत पर गर्व का बोध है। आज भारत के आदर्श अपने हैं, आयाम अपने हैं। आज भारत के संकल्प अपने हैं, लक्ष्य अपने हैं। आज हमारे पथ अपने हैं, प्रतीक अपने हैं। और साथियों, आज अगर राजपथ का अस्तित्व समाप्त होकर कर्तव्यपथ बना है, आज अगर जॉर्ज पंचम की मूर्ति के निशान को हटाकर नेताजी की मूर्ति लगी है, तो ये गुलामी की मानसिकता के परित्याग का पहला उदाहरण नहीं है। ये न शुरुआत है, न अंत है। ये मन और मानस की आजादी का लक्ष्य हासिल करने तक, निरंतर चलने वाली संकल्प यात्रा है। देश के प्रधानमंत्री जहां रहते आए हैं, उस जगह का नाम रेस कोर्स रोड से बदलकर लोक–कल्याण मार्ग हो चुका है। हमारे गणतन्त्र दिवस समारोह में अब भारतीय वाद्य यंत्रों की भी गूंज सुनाई देती है। Beating Retreat Ceremony में अब देशभक्ती से सराबोर गीतों को सुनकर हर भारतीय आनंद से भर जाता है। अभी हाल ही में, भारतीय नौसेना ने भी गुलामी के निशान को उतारकर, छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रतीक को धारण कर लिया है। नेशनल वॉर मेमोरिटल बनाकर देश ने, समस्त देशवासियों की बरसों पुरानी इच्छा को भी पूरा किया है। ये बदलाव केवल प्रतीकों तक ही सीमित नहीं है, ये बदलाव देश की नीतियों का भी हिस्सा बन चुका है। आज देश अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे सैकड़ों क़ानूनों को बदल चुका है। भारतीय बजट, जो इतने दशकों से ब्रिटिश संसद के समय का अनुसरण कर रहा था, उसका समय और तारीख भी बदली गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए अब विदेशी भाषा की मजबूरी से भी देश के युवाओं को आजाद किया जा रहा है। यानी, आज देश का विचार और देश का व्यवहार दोनों गुलामी की मानसिकता से मुक्त हो रहे हैं। ये मुक्ति हमें विकसित भारत के लक्ष्य तक लेकर जाएगी।

ये न शुरुआत है, न अंत है। ये मन और मानस की आजादी का लक्ष्य हासिल करने तक, निरंतर चलने वाली संकल्प यात्रा है।

महाकवि भरतियार ने भारत की महानता को लेकर तमिल भाषा में बहुत ही सुंदर कविता लिखी थी। इस कविता का शीर्षक है– पारुकुलै नल्ल नाडअ–यिंगल, भारत नाड–अ, महाकवि भरतियार की ये कविता हर भारतीय को गर्व से भर देने वाली हैं। उनकी कविता का अर्थ है, हमारा देश भारत, पूरे विश्व में सबसे महान है। ज्ञान में, अध्यात्म में, गरिमा में, अन्न दान में, संगीत में, शाश्वत कविताओं में, हमारा देश भारत, पूरे विश्व में सबसे महान है। वीरता में, सेनाओं के शौर्य में, करुणा में, दूसरों की सेवा में, जीवन के सत्य को खोजने में, वैज्ञानिक अनुसंधान में, हमारा देश भारत, पूरे विश्व में सबसे महान है। ये तमिल कवि भरतियार का, उनकी कविता का एक–एक शब्द, एक–एक भाव को अनुभव कीजिए।

गुलामी के उस कालखंड में, ये पूरे विश्व को भारत की हुंकार थी। ये हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का आह्वान था। जिस भारत का वर्णन भरतियार ने अपनी कविता में किया है, हमें उस सर्वश्रेष्ठ भारत का निर्माण करके ही रहना है। और इसका रास्ता इस कर्तव्य पथ से ही जाता है।

कर्तव्यपथ केवल ईंट–पत्थरों का रास्ता भर नहीं है। ये भारत के लोकतान्त्रिक अतीत और सर्वकालिक आदर्शों का जीवंत मार्ग है। यहाँ जब देश के लोग आएंगे, तो नेताजी की प्रतिमा, नेशनल वार मेमोरियल, ये सब उन्हें कितनी बड़ी प्रेरणा देंगे, उन्हें कर्तव्यबोध से ओत–प्रोत करेंगे! इसी स्थान पर देश की सरकार काम कर रही है। आप कल्पना करिए, देश ने जिन्हें जनता की सेवा का दायित्व सौंपा हो, उन्हें राजपथ, जनता का सेवक होने का एहसास कैसे कराता? अगर पथ ही राजपथ हो, तो यात्रा लोकमुखी कैसे होगी? राजपथ ब्रिटिश राज के लिए था, जिनके लिए भारत के लोग गुलाम थे। राजपथ की भावना भी गुलामी का प्रतीक थी, उसकी संरचना भी गुलामी का प्रतीक थी। आज इसका आर्किटेक्चर भी बदला है, और उसकी आत्मा भी बदली है। अब देश के सांसद, मंत्री, अधिकारी जब इस पथ से गुजरेंगे

तो उन्हें कर्तव्यपथ से देश के प्रति कर्तव्यों का बोध होगा, उसके लिए नई ऊर्जा मिलेगी, प्रेरणा मिलेगी। नेशनल वॉर मेमोरियल से लेकर कर्तव्यपथ से होते हुए राष्ट्रपति भवन का ये पूरा क्षेत्र उनमें Nation First, राष्ट्र ही प्रथम, इस भावना का प्रवाह प्रति पल संचारित होगा।

इस अवसर पर, मैं अपने उन श्रमिक साथियों का विशेष आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने कर्तव्यपथ को केवल बनाया ही नहीं है, बल्कि अपने श्रम की पराकाष्ठा से देश को कर्तव्य पथ दिखाया भी है। मुझे अभी उन श्रमजीवियों से मुलाक़ात का भी अवसर मिला। उनसे बात करते समय मैं ये महसूस कर रहा था कि, देश के गरीब, मजदूर और सामान्य मानवी के भीतर भारत का कितना भव्य सपना बसा हुआ है! अपना पसीना बहाते समय वो उसी सपने को सजीव कर देते हैं और आज जब मैं, इस अवसर पर मैं उन हर गरीब मजदूर को भी देश की तरफ से धन्यवाद करता हूँ, उनका अभिनंदन करता हूं, जो देश के अभूतपूर्व विकास को ये हमारे श्रमिक भाई गति दे रहे हैं। और जब मैं आज इन श्रमिक भाई–बहनों से मिला तो मैंने उनसे कहा है कि इस बार 26 जनवरी को जिन्होंने यहाँ पर काम किया है, जो श्रमिक भाई हैं, वो परिवार के साथ मेरे विशेष अतिथि रहेंगे, 26 जनवरी के कार्यक्रम में। मुझे संतोष है कि नए भारत में आज श्रम और श्रमजीवियों के सम्मान की एक संस्कृति बन रही है, एक परंपरा पुनर्जीवित हो रही है। और साथियों, जब नीतियों में संवेदनशीलता आती है, तो निर्णय भी उतने ही संवेदनशील होते चले जाते हैं। इसीलिए, देश अब अपनी श्रम–शक्ति पर गर्व कर रहा है। 'श्रम एव जयते' आज देश का मंत्र बन रहा है। इसीलिए, जब बनारस में, काशी में, विश्वनाथ धाम के लोकार्पण का अलौकिक अवसर होता है, तो श्रमजीवियों के सम्मान में भी पुष्पवर्षा होती है। जब प्रयागराज कुम्भ का पवित्र पर्व होता है, तो श्रमिक स्वच्छता कर्मियों का आभार व्यक्त किया जाता है। अभी कुछ दिन पहले ही देश को स्वदेशी विमान वाहक युद्धपोत INS विक्रांत मिला है। मुझे तब भी INS विक्रांत के निर्माण में दिन रात काम करने वाले श्रमिक भाई–बहनों और उनके परिवारों से मिलने का अवसर मिला था। मैंने उनसे मिलकर उनका आभार व्यक्त किया था। श्रम के सम्मान की ये परंपरा देश के संस्कारों का अमिट हिस्सा बन रही है। आपको जानकर अच्छा लगेगा कि नई संसद के निर्माण के बाद उसमें काम करने वाले श्रमिकों को भी एक विशेष गैलरी में स्थान दिया जाएगा। ये गैलरी आने वाली पीढ़ियों को भी ये याद दिलाएँगी कि लोकतन्त्र की नींव में एक ओर संविधान है, तो दूसरी ओर श्रमिकों का योगदान भी है। यही प्रेरणा हर एक देशवासी को ये कर्तव्यपथ भी देगा। यही प्रेरणा श्रम से सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगी।

कर्तव्यपथ केवल ईंट–पत्थरों का रास्ता भर नहीं है। ये भारत के लोकतान्त्रिक अतीत और सर्वकालिक आदर्शों का जीवंत मार्ग है। यहाँ जब देश के लोग आएंगे, तो नेताजी की प्रतिमा, नेशनल वार मेमोरियल, ये सब उन्हें कितनी बड़ी प्रेरणा देंगे, उन्हें कर्तव्यबोध से ओत–प्रोत करेंगे!

हमारे व्यवहार में, हमारे साधनों में, हमारे संसाधनों में, हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर में, आधुनिकता का इस अमृतकाल का प्रमुख लक्ष्य है। और साथियों, जब हम इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करते हैं तो अधिकतर लोगों के मन में पहली तस्वीर सड़कों या फ्लाईओवर की ही आती है। लेकिन आधुनिक होते भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार उससे भी बहुत बड़ा है, उसके बहुत पहलू हैं। आज भारत सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही कल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी उतनी ही तेजी से काम कर रहा है। मैं आपको सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर का उदाहरण देता हूं। आज देश में एम्स की संख्या पहले के मुकाबले तीन गुना हो चुकी है। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में भी 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ये दिखाता है कि भारत आज अपने नागरिकों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए, उन्हें मेडिकल की आधुनिक सुविधाएं पहुंचाने के लिए किस तरह काम कर रहा है। आज देश में नई IIT*s, ट्रिपल आईटी, वैज्ञानिक संस्थाओं का आधुनिक नेटवर्क लगातार विस्तार किया जा रहा है, तैयार किया जा रहा है। बीते तीन वर्षों में साढ़े 6 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों को पाइप से पानी की सप्लाई सुनिश्चित की गई है। देश के हर जिले में 75 अमृत सरोवर बनाने का महाअभियान भी चल रहा है। भारत का ये सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर, सामाजिक न्याय को और समृद्ध कर रहा है।

ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर आज भारत जितना काम कर रहा है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। आज एक तरफ देशभर में ग्रामीण सड़कों का रिकॉर्ड निर्माण हो रहा है तो वहीं रिकॉर्ड संख्या में आधुनिक एक्सप्रेस वे बनाए जा रहे हैं। आज देश में तेजी से रेलवे का इलेक्ट्रिफिकेशन हो रहा है तो उतनी ही तेजी से अलग–अलग शहरों में मेट्रो का भी विस्तार हो रहा है। आज देश में अनेकों नए एयरपोर्ट बनाए जा रहे हैं तो वॉटर वे की संख्या में भी अभूतपूर्व वृद्धि की जा रही है। डिजिटल

जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं है। इंफ्रास्ट्रक्चर, जो हमारे इतिहास से जुड़ा हुआ हो, जो हमारे राष्ट्र नायकों और राष्ट्रनायिकाओं से जुड़ा हो, जो हमारी विरासत से जुड़ा हो, उसका भी उतनी ही तत्परता से निर्माण किया जा रहा है। सरदार पटेल की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी हो या फिर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित म्यूजियम, पीएम म्यूजियम हो या फिर बाबा साहेब आंबेडकर मेमोरियल, नेशनल वॉर मेमोरियल हो या फिर नेशनल पुलिस मेमोरियल, ये कल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर के उदाहरण हैं। ये परिभाषित करते हैं कि एक राष्ट्र के तौर पर हमारी संस्कृति क्या है, हमारे मूल्य क्या हैं, और कैसे हम इन्हें सहेज रहे हैं। एक आकांक्षी भारत, सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही कल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देते हुए ही तेज प्रगति कर सकता है। मुझे खुशी है कि आज कर्तव्यपथ के रूप में देश को कल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर का एक और बेहतरीन उदाहरण मिल रहा है। आर्किटैक्चर से लेकर आदर्शों तक, आपको यहाँ भारतीय संस्कृति के दर्शन भी होंगे, और बहुत कुछ सीखने को भी मिलेगा। मैं देश के हर एक नागरिक का आवाहन करता हूँ, आप सभी को आमंत्रण देता हूँ, आइये, इस नवनिर्मित कर्तव्यपथ को आकर देखिए। इस निर्माण में आपको भविष्य का भारत नज़र आएगा। यहाँ की ऊर्जा आपको हमारे विराट राष्ट्र के लिए एक नया विज़न देगी, एक नया विश्वास देगी और कल से लेकर के अगले तीन दिन यानी शुक्र, शनि और रवि, तीन दिन यहां पर नेताजी सुभाष बाबू के जीवन पर आधारित शाम के समय ड्रोन शो का भी आयोजन होने वाला है। आप यहां आइए, अपने और अपने परिवार की तस्वीरें खींचिए, सेल्फी लीजिए।

इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में तो भारत, आज पूरे विश्व के अग्रणी देशों में अपनी जगह बना चुका है। डेढ़ लाख से ज्यादा पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर पहुंचाना हो, डिजिटल पेमेंट के नए रिकॉर्ड हों, भारत की डिजिटल प्रगति की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है।

इंफ्रास्ट्रक्चर के इन कार्यों के बीच, भारत में कल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर पर जो काम किया गया है, उसकी उतनी चर्चा नहीं हो पाई है। प्रसाद स्कीम के तहत देश के अनेको तीर्थस्थलों का पुनुरुद्धार किया जा रहा है। काशी–केदारनाथ–सोमनाथ से लेकर करतारपुर साहिब कॉरिडोर तक के लिए जो कार्य हुआ है, वो अभूतपूर्व है। औऱ साथियों, जब हम कल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करते हैं तो उसका मतलब सिर्फ आस्था की जगहों से

इन्हें आप हैशटैग कर्तव्यपथ से सोशल मीडिया पर भी जरूर अपलोड करें। मुझे पता है ये पूरा क्षेत्र दिल्ली के लोगों की धड़कन है, यहां शाम को बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार के साथ आते हैं, समय बिताते हैं। कर्तव्य पथ की प्लानिंग, डिजाइनिंग और लाइटिंग, इसे ध्यान में रखते हुए भी की गई है। मुझे विश्वास है, कर्तव्य पथ की ये प्रेरणा देश मं कर्तव्यबोध का जो प्रवाह पैदा करेगी, ये प्रवाह ही हमें नए और विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि तक लेकर जाएगा।

नेताजी अमर रहे!
भारत माता की जय!
वंदे मातरम!

चौ0 भूपेन्द्र सिंह का राजधानी में भव्य स्वागत

सरकार संगठन मिलकर भाजपामय सर्वोत्तम प्रदेश बनायेंगे : भूपेन्द्र सिंह

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह जी का पार्टी मुख्यालय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री ब्रजेश पाठक, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह जी केन्द्रीय मंत्री व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. रमापति राम त्रिपाठी, श्री सूर्य प्रताप शाही, डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, केन्द्रीय मंत्री संजीव बालियान, पंकज चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह जी का स्वागत व अभिनंदन किया।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह जी ने कार्यकर्ताओं, को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह भाजपा की संगठनात्मक ताकत ही है जो मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता को केन्द्रीय नेतृत्व ने देश के सबसे बड़े प्रदेश की संगठनात्मक बागडोर सौंपी है। उन्होंने केंन्द्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा विचारधारा से जुड़े लोगो का राष्ट्रवादी समूह है। मैं पार्टी का जिलाध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष रहा और अब प्रदेश अध्यक्ष के दायित्व का निर्वहन करूंगा। प्रत्येक व्यक्ति को बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, सुरक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित कराना और अराजकता, गुण्डागर्दी व भ्रष्टाचार को समाप्त करना भाजपा का एजेंडा है इसी ऐजेण्डे पर सरकार काम कर रही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने पार्टी की प्रतिबद्धता के अनुरूप ही धारा 370 हटाई और राम मंदिर का निर्माण कार्य भी प्रशस्त हुआ। सरकार समाज को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक रूप से प्रबल करने का काम कर रही है। प्रदेश में भाजपा सरकार से पहले अराजकता थी, रंगदारी, सरकारी नौकरियों में भ्रष्टाचार था, बिजली नही आती थी। हमारी सरकार ने काम किया। 35 वर्ष के इतिहास में पहली बार उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार भाजपा ने सरकार बनाई है। योगी आदित्यनाथ जी प्रदेश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री है जो पांच वर्ष के कार्यकाल के बाद पुनः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने है।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कभी भाजपा के विषय में कहा जाता था कि भाजपा व्यापारियों की पार्टी है, उत्तर भारत की व हिन्दी भाषियों की पार्टी है। आज कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भाजपा का व्यापक जनाधार है। आज सबसे अधिक ग्राम प्रधान, ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य व अध्यक्ष, विधायक, सांसद, मेयर, नगरपालिकायों के अध्यक्ष भाजपा कार्यकर्ता हैं।

भाजपा में तपस्वी कार्यकर्ता और अपनी विचारधारा के लिए आँख बंद करके काम करने वाले लोग हैं। पूरा जीवन विचारधारा के लिए समर्पित करने वाले लोग भाजपा के अतिरिक्त किसी दल में नहीं है। इन्हीं तपस्वियों के त्याग का परिणाम है कि आज हम हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जैसा नेतृत्व हमारे पास है। जिन्होंने दुनिया मे भारत का मान बढ़ाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार व मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लोगों की आर्थिक व सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व ने जो अपेक्षा मुझसे की है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि सबके साथ मिलकर व

सबको साथ लेकर काम करेंगे। कार्यकर्ता के ऐजेण्डे के आधार पर संगठनात्मक कार्य होगा। आने वाले समय में संगठन को और मजबूत करने का काम करेंगे। हम आगामी नगर निकाय चुनाव तथा 2024 के लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत सफलता के मंत्र के साथ सभी लक्ष्य पूर्ण करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह जी को शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि सरकार और संगठन मिलकर एक बार फिर प्रदेश को भाजपामय बनाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी सीटें जीतेंगे। इस दौरान उन्होंने नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौ. भूपेंद्र सिंह के संगठन और सरकार में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सरकार और संगठन के बीच में बेहतर समन्वय बनाने में सफल होंगे।

उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन की जिम्मेदारी को बखूबी निभाने की क्षमता और योग्यता रखने वाले चौधरी भूपेंद्र सिंह को प्रदेश का हर कार्यकर्ता जानता है। उनके संगठनात्मक क्षमता को ध्यान में रखकर ही पार्टी ने उन्हें दो बार पश्चिमी क्षेत्र का अध्यक्ष बनाकर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन्हें दी थी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पिछले पांच वर्ष छह माह में चौधरी भूपेंद्र सिंह ने सरकार में पहले स्वतंत्र प्रभार के राज्य मंत्री के रूप में और बाद में कैबिनेट मंत्री के तौर पर अपने दायित्व का बखूबी निर्वहन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए लोक कल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाया, जो अपने आप एक बड़ा उदाहरण है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश में पिछले वर्ष संपन्न हुए पंचायत चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। हमारे पास 18 कमीश्नरी, 75 जनपद, 826 विकासखंड, तीन हजार से ज्यादा न्याय पंचायतें, 58 हजार से अधिक ग्राम पंचायतें और एक लाख 10 हजार से अधिक राजस्व गांव हैं। भूपेंद्र सिंह के पंचायती राज्य मंत्री के रहते हुए संपन्न हुए पंचायत चुनाव में प्रदेश के 67 जनपदों में जिला पंचायत अध्यक्ष, 650 विकास खंडों में ब्लॉक प्रमुख और अधिकांश ग्राम पंचायतों में पार्टी के कार्यकर्ता ही प्रधान के पद पर निर्वाचित हुए।

प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत मिशन में उत्तर प्रदेश को ओडीएफ प्लस प्लस की भूमिका का निर्वहन चौधरी भूपेंद्र सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के अध्यक्ष के रूप में चौधरी भूपेंद्र सिंह अपनी संगठनात्मक क्षमता के बल पर कार्यकर्ताओं को साथ में लेकर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को आगे बढ़ाने में सरकार और संगठन के बीच में बेहतर समन्वय बनाने में सफल होंगे।

भाजपा के नये प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश के अंदर सभी क्षेत्रों में इन्हें लंबे समय तक कार्य करने का अनुभव है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के रूप में अलग–अलग क्षेत्रों और प्रांतों में कार्य किया है। साथ ही पार्टी के संगठन महामंत्री के रूप में झारखंड जैसे प्रदेश में भी धरमपाल सिंह के पास कार्य करने का एक लंबा अनुभव है। यही कारण है कि आज वह सभी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठनात्मक रूप से अपने मूल्यों, आदर्शों और सिद्धांतों का पालन करता है।

उन्होंने कहा कि हम अपने निवर्तमान अध्यक्ष को स्वतंत्र नहीं होने देंगे। तीन वर्ष तीन माह तक उन्होंने प्रदेश भाजपा का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र देव सिंह ने कहा था कि पार्टी का सिद्धांत है एक व्यक्ति, एक पद और इसी सिद्धांत का पालन करते हुए मैं अध्यक्ष पद से मुक्त होना चाहता हूं। स्वतंत्र देव सिंह ने प्रदेश सरकार में परिवहन मंत्री के रूप में भी मेरे साथ काम किया था और परिवहन मंत्री के रूप में उनके कार्य को मैंने देखा है कि मंत्री रहते वक्त वो नई–नई चीजों को ढूंढ़ कर लाते थे। देश के विभिन्न राज्यों के साथ एमओयू करने की बात हो या फिर प्रदेश की बसों की मदद से उत्तर प्रदेश का प्रचार प्रसार करने के साथ प्रदेश में कुंभ के दौरान 500 बसों को अपने बेड़े में शामिल करने का कार्य किया था।

निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह को पार्टी का जमींनी कार्यकर्ता बताते हुए उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाऐं दी। उन्होंने कहा श्री भूपेन्द्र सिंह के रूप में एक कर्तव्यनिष्ठ, परिश्रमी कप्तान मिला है। श्री भूपेन्द्र सिंह जी सादगी और सरलता से परिपूर्ण जमींनी कार्यकर्ता हैं। संगठन और सरकार के दायित्वों का निवर्हन उन्होंने बेहतर ढ़ग से किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का निर्माण और गतिमान होगा। उनके नेतृत्व में पार्टी का विस्तार होगा।

राजधानी में भव्य स्वागत

उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह का स्वागत व अभिनंदन करते हुए कहा कि 2014 का रिकार्ड तोड़ते हुए हम 2024 में 80 में 80 सीटें जीतने में सफल होगें। उन्होंने कहा कि सरकार और संगठन एक रथ के दो पहियों की तरह तीव्र गति से आगे बढ़ रहे हैं। 2022 का चुनाव तमाम बाधाओं के बावजूद जनता के आशीर्वाद से हम विजयी हुए हैं। 2024 का लोकसभा चुनाव में भी हम पार्टी कार्यकर्ताओं के बल पर अभूतपूर्व सफलता हासिल करेगें। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल बेचैन हैं। श्री मौर्य ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में भाजपा और मजबूत होगी। उन्होंने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाऐं और बधाई दी।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह का स्वागत व अभिनंदन करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्हों कहा कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत व अभिनंदन के लिए कार्यकर्ताओं का हूजूम सड़को पर उतर पड़ा। श्री पाठक ने कहा मुझे पूर्ण विश्वास है कि नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में श्री भूपेन्द्र सिंह जी के नेतृत्व में भाजपा उत्तर प्रदेश में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। प्रदेश से लेकर बूथ तक पार्टी और भी मजबूत होगी। उन्होंने भूपेन्द्र सिंह जी को कुशल संगठनकर्ता बताते हुए कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनकी अगुवाई में भाजपा प्रदेश में लोकसभा चुनाव में सभी 80 सीटों पर विजयी होगी।

पार्टी मुख्यालय पर नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह जी के स्वागत व अभिनंदन समारोह में पार्टी के केन्द्रीय व राज्य के पदाधिकारी, राज्य सरकार के मंत्रीगण, निगम–बोर्डों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि व हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर स्वागत व अभिनंदन किया।

राष्ट्रभक्ति लें हृदय में... सेवा-समर्पण के पथ पर

2014 में जब कांग्रेस की यूपीए सरकार के 10 वर्षों के कुशासन, भ्रष्टाचार और अराजकता से परेशान होकर देश की जनता ने अपनी आकांक्षाओं को उड़ान देने के लिए नरेन्द्र मोदी को जब देश के प्रधानमंत्री के रूप में चुना, तो उन्होंने प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि सेवक बनने का संकल्प जताया और जन–जन की सेवा में जुट गए। प्रधानमंत्री का पद संभालते ही उन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा को अपना ध्येय बनाया। मोदी जी ने हर समय, हर चुनौती का सामना करने को तत्पर रहने वाले भारत की छवि गढ़ने और संपूर्ण विश्व में अग्रणी 'नये भारत' की पहचान कराने का महान कार्य किया।

संकल्प, समर्पण और सेवा के मार्ग को अपने जीवन का मूल मंत्र मानते हुए उन्होंने गरीबों के उत्थान और राष्ट्र की समृद्धि के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उन्होंने न केवल देश को दुनिया के अग्रणी देशों की कतार में खड़ा किया, बल्कि भाजपा को भी 'सेवा ही संगठनश के रूप में प्रतिस्थापित कर अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाई। आज भारतवर्ष उनके सान्निध्य में आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ–साथ हर मोर्चे पर आश्वस्त महसूस करता है। जन–धन, जन सुरक्षा योजना, मुद्रा योजना, डिजिटल इंडिया, उज्ज्वला योजना, उजाला योजना, डिजिटल इंडिया, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, सौभाग्य योजना, आवास योजना, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल जैसी न जाने कितनी योजनाएं हमारे प्रधानमंत्री ने लॉन्च कीं, जो समाज के सभी वर्गों को वित्तीय समावेशन की गारंटी देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री ने देश को समस्याओं से समाधान की ओर बढ़ते हुए विरासत में मिले सदियों पुराने विवादों का शांतिपूर्ण निपटारा किया है, जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। अनुच्छेद 370 का उन्मूलन, तीन तलाक का खात्मा, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का भूमि पूजन, ओबीसी आयोग को सांविधानिक मान्यता, नागरिकता संशोधन कानून, सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 फीसदी आरक्षण, जीएसटी–ये सभी निर्णय आने वाले समय में देश की गौरवगाथा के लिए नींव का निर्माण है।

अरुण कांत त्रिपाठी

आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सांविधानिक पद पर रहते हुए 20 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने पहली बार सात अक्तूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने विकास का एक नया मॉडल प्रस्तुत किया, जो सर्वांगीण विकास के मूलभूत सिद्धांत पर आधारित था। भूकंप के बाद गुजरात को फिर से खड़ा करना हो, वाइब्रेंट गुजरात के माध्यम से राज्य को निवेश के एक प्रमुख गंतव्य के रूप में प्रतिष्ठित करना हो, बिजली उत्पादन में राज्य को आत्मनिर्भर बनाना हो–उन्होंने विकास के हर आयाम को स्पर्श करते हुए उसे एक नई ऊंचाई दी। इसके बाद भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधान सेवक के रूप में 20 वर्षों की उनकी गौरवमयी जनसेवा की यात्रा देश को निराशा के माहौल से निकाल कर विश्वगुरु के पद पर अग्रसर करने की रही है। उन्होंने एक कर्मयोगी के रूप में देश के जन–जन को न्यू इंडिया के विजन को साकार करने का आत्मविश्वास दिया है।

केंद्र में कांग्रेस के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए भाजपा को मजबूत विकल्प के रूप में प्रतिष्ठित किया। संकल्प, समर्पण और सेवा के मार्ग को अपने जीवन का मूल मंत्र मानते हुए उन्होंने गरीबों के उत्थान और राष्ट्र की समृद्धि के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उन्होंने न केवल देश को दुनिया के अग्रणी देशों की कतार में खड़ा किया, बल्कि भाजपा को भी 'सेवा ही संगठनश के रूप में प्रतिस्थापित कर अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाई।

वर्ष 2014 में हमारे बैंक और वित्तीय संस्थान भारी एनपीए (गैर निष्पादित संपत्ति) से ग्रस्त थे। उनकी बैलेंस शीट में

एनपीए की संख्या बहुत ज्यादा थी, जिससे उनकी ऋण देने की क्षमता प्रभावित हुई थी। निवेश को बढ़ने के लिए ऋण महत्वपूर्ण होता है। नरेन्द्र मोदी सरकार ने खराब ऋणों की पहचान की और युद्ध स्तर पर इसके समाधान की दिशा में काम करने की पहल की। भगोड़ा अपराधी जायदाद अधिनियम, बेनामी संपत्ति अधिनियम और दिवाला एवं दिवालियापन संहिता (आइबीसी) से व्यापार तंत्र में क्रांति आ गई है। इनके द्वारा व्यवसायों के लिए आसान प्रवेश और निकास मार्ग प्रदान किया गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि आइबीसी के माध्यम से वित्त वर्ष 2018 में 49.6 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2019 में 45.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2020 में 45.5 प्रतिशत की राशि वसूली हो पाई है, जो पूर्ववर्ती कानूनों के तहत वसूली की तुलना में सबसे अधिक है। वित्तीय लेनदारों को इस कानून के कारण अधिक वसूली और बैलेंस शीट में एनपीए की राशि को कम करने में सफलता मिली है। वित्त वर्ष 2018 में सकल एनपीए 11.2 प्रतिशत के शिखर पर पहुंच गया था और वित्त वर्ष 2021 में यह 7.5 प्रतिशत रह गया है।

अगर हम देखे कि पिछले 75 वर्षों में क्या और किस तरह के बदलाव सामने आये तो हम पाते हैं कि उनमें से दो तिहाई कार्य 2014 से 2022 के बीच किये गये हैं। जबकि कांग्रेस की सरकार के समय 2004 से लेकर 2014 तक बी.एस.एन.एल. का पहला घाटा 2009 में10,000 करोड़ का।

एयर इण्डिया के जहाज़ 2010 में बेंचे गये। हिन्दुस्तान मशीन टूल्स का घाटा 2014 तक इतना बढ़ेगा कि सर्वश्रेष्ठ कंपनी पर ताला लगाना पड़ा। एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसी सरकारी बैंकों को 1996 में निजी क्षेत्र को दे दिया गया। एसबीआई जैसे सबसे बड़े बैंक के शेयर बेच कर देश का सबसे कम सरकारी शेयर होल्डिंग वाला बैंक बनाया, 57 फीसदी शेयर की हिस्सेदारी। बैंक में सिर्फ 1 लाख रुपए तक की सुरक्षा गारंटी थी जिसको जिसे पधानमंत्री मोदी ने 5 लाख कर दिया और आर्थिक सुशासन की नई नीति लिख दी।

भारत में बिना गारंटी के बैंक अकाउंट नहीं खुलता था, कांग्रेस के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के राज में लेकिन नरेनद्र मोदी ने सेल्फ अटेस्टेशन को मान्यता दे दी और आज किसी गारंटी की जरूरत नहीं रहीं। वरना आज भी एक आधार कार्ड पर, खुद के हस्ताक्षर की बजाय, नोटरी से अटेस्ट करते और पैसा, टाइम दोनों बर्बाद होता।

ग्रुप बी और ग्रुप डी की नौकरी के लिए इंटरव्यू होता था। सही अर्थो सफाई कर्मचारी भी इंटरव्यू देता था और इंटरव्यू का अर्थ था रिशवत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेइन दोनों समूहों के लिये इंटरव्यू बंद कर दिया। नौकरी के लिए पहले आफलाइन परीक्षा होती थी, सेटिंग चलती थी,रिजल्ट भी देर से आता था। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी परीक्षाओं को आनलाइन कर दिया।

कांग्रेस के राज में किसी गरीब को प्राइवेट हास्पिटल में इलाज की सुविधा नहीं थी प्रधानमंत्री मोदी ने 5 लाख प्रति साल तक इलाज़ की सुविधा दी। गरीब को सस्ता बीमा उपलब्ध नहीं था। श्री मोदी ने 12 रुपये साल के लेकर 2 लाख का बीमा दिया। कांगेस शासनकाल में उनके बाबूओं को यह ज्ञात नहीं था कि प्राइवेट वर्कर को 60 साल के बाद पेंशन कैसे दें। प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री मोदी अटल पेंशन योजना ले आये। जिसमे 5000 महीना पेंशन और 8.5 लाख की सहायता का प्रावधान है। प्रधानमंत्री अब तक मोदी 9 करोड़ फ्री गैस कनेक्शन दे चुके हैं। भाजपा शासनकाल में आज होम लोन पर 2.7 लाख रुपये वापस मिलता है। कांग्रेस काल में 1 रुपये भी प्राप्त नहीं हो सके। व्यापार करने के लिए गारंटी बिना लोन, 10 लाख तक मिल रहा है।

महिलाओं को 6 महीने की मैटरनिटी अवकाश मिल रहा है। किसानों को महीने का 500 रूपया पेंशन दे रहे हैं। किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को वर्ष में तीन

बार 9 हजार रुपये मल रहे हैं। करोड़ों मोबाइल यूजरों को सस्ता डाटा मिल रहा है। जिससे आज ऑनलाइन पढ़ाई, ऑनलाइन बिज़नेस ऑनलाइन मीटिंग संभव हो पा रही है।

आज जो रेलगाड़ी के स्लीपर डब्बे में हर जगह मोबाइल चार्जिंग पाइंट देखते है, वह भी प्रधानमंत्री के विजन की देन है। ईमानदार मनमोहन सिंह इतना नहीं सोच सकें थे कि तत्काल का टिकट लेने में इतनी परेशानी क्यों होती है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने तत्काल टिकट का टाइम बदल कर इस परेशानी को काफी कम कर दिया। करंट रिजर्वेशन करके (चार्ट बनने के बाद भी), टिकट की बुकिंग नेयात्री की सुविधा को बढ़ाया। इन्कमटैक्स पर छूट की लिमिट भी 5 लाख तक की गई।

कांगेस और अन्य समावेशी लोगों की सरकार में बिजली कितनी देर आती थी लोगों को अब याद भी नहीं होगा। देशभर में जनरेटर और इनवर्टर की बिक्री जोरों पर थी लेकिन प्रधानमंत्री ने दो साल के अंदर घर–घर में बिजली पहुंचा दिया। आज कोई बिजली का रोना नहीं रोता है। सोलर पावर से भी बिजली की कमी को बहुत हद तक कम किया जा रहा है।

वह जनता के नेता हैं। मुख्यमंत्री रहने के दौरान भी वह कभी भी जनता के बीच पहुंच जाते थे और लोगों से संवाद करते थे। सामान्य जन के प्रति उनका यह अपनापन उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा बना रहा, जो उनके व्यक्तित्व को एक नया आयाम देता है। छत्तीसगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान बुजुर्ग महिला के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लेना हो, सफाई कर्मचारियों के पांव धोकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में प्रतिष्ठित करना हो या मामल्लपुरम के बीच पर पड़े कचरे को स्वयं उठाकर देश और दुनिया को स्वच्छता का संदेश देना हो–उन्होंने हमेशा अपने व्यक्तित्व की सहजता से सबका मन मोहा है।

कोरोना प्रबंधन के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है, लेकिन यह कल्पना करना मुश्किल है कि यदि समय पर प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन, वैक्सीन, वैक्सीनेशन, गरीब कल्याण योजना, गरीब कल्याण अन्न योजना, गरीब कल्याण रोजगार योजना, आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसे साहसिक फैसले न लिए होते, तो आज क्या स्थिति होती जिस टीकाकरण कार्यक्रम का विपक्ष ने मजाक उड़ाया, आज वह दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज गति से चलने वाला अभियान है। आज भारत ने 93 करोड़ टीकाकरण का आंकड़ा पार कर लिया है। जिस गति से और जिस पैमाने पर कोविड टीकाकरण अभियान देश में हुआ है, वह पूरी दुनिया के लिए एक नजीर है।

आतंक के खिलाफ निर्णायक प्रहार से उन्होंने दुनिया में भारत की संप्रभुता की अकाट्य क्षमता का डंका बजाया और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भारत की महान सांस्कृतिक विरासत को कड़ी बनाते हुए उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक समग्र भारत को एक सूत्र में पिरोया। उन्होंने भारत की विदेश नीति को किंकर्तव्यविमूढ़ता से निकाल कर निर्णायक नीति के पटल पर अभिलेखित किया। उन्होंने योग को विश्व के मानव जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बनाया।

यूपीए–एक और यूपीए–दो सरकार के दौरान हुए विकास की तुलना में मोदी सरकार के दौरान विकास तेज रही है। एनडीए–दो और एनडीए–तीन की सरकारों का कार्यकाल देश के विकास के लिए अच्छा रहा है। भारत में ग्रीन फील्ड और ब्राउन फील्ड विनिर्माण में विदेशी निवेश का भारी प्रवाह देखने को मिल रहा है। भारत विनिर्माण निवेश के लिए गंतव्य स्थान के रूप में विश्व स्तर पर दूसरे स्थान पर आ गया है। कर्मयोगी की तरह चरैवेति के सिद्धांत को मानने वाले प्रधानमंत्री के द्वारा अभी बहुत कुछ और किया जाना शेष है।

(लेखक कमल ज्योति के संपादक और चुनाव प्रबंधन के प्रदेश संयोजक हैं)

मोदी जन्मदिन ''जनसेवा'' को समर्पित : भूपेन्द्र

भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाएगी। प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह की अध्यक्षता एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी श्री राधा मोहन सिंह व प्रदेश महामंत्री संगठन श्री धर्मपाल सिंह जी की उपस्थिति में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों व जिला अध्यक्ष/जिला प्रभारियों की वर्चुअल बैठक सम्पन्न हुई। 7 व 8 सितम्बर को क्षेत्र स्तर पर, 11 व 12 सितम्बर को जिला स्तर पर और 14 व 15 सितम्बर को मंडल स्तर पर बैठकें आयोजित कर सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत होने वाले कार्यक्रमों के क्रियान्वयन बैठकें होंगी।

प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का 20 वर्षों का मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में सेवा और सुशासन को समर्पित कार्यकाल गरीबों के कल्याण एवं भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाने पर केन्द्रित रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन 17 सितम्बर से पार्टी द्वारा शुरू किये जा रहे सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत बूथ स्तर तक सेवा व अन्य विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

प्रदेश प्रभारी श्री राधा मोहन सिंह ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार सेवा,सुशासन एवं गरीब कल्याण के प्रति संकल्पित है। प्रधानमंत्री जी की नीतियों एवं कार्यक्रमों में सेवा एवं गरीब कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में देशवासियों ने अनुभव किया है एवं उनके प्रति समाज के सभी वर्गों में व्यापक जनसमर्थन है।

श्री धर्मपाल सिंह जी प्रदेश महामंत्री संगठनने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार गरीब कल्याण को समर्पित है। सरकार की सेवा व गरीब कल्याण की नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश ही नहीं पूरे देश में मोदी जी के प्रति जनता के मन में विश्वास और भी अधिक गहरा हुआ है। आगामी 17 सितम्बर को उनके जन्मदिन के अवसर पर पार्टी द्वारा सेवा पखवाड़ा शुरू किया जा रहा है। सेवा पखवाडा के अन्तर्गत विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से पार्टी जनसरोकार के कार्यों से जुड़ेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से महात्मा गांधी जयन्ती 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के तहत पार्टी कार्यकर्ता श्री नरेन्द्र मोदी जी व्यक्तिव एवं कृतित्व पर जिला स्तर पर प्रर्दशनी लगाएंगे। इसके साथ ही स्टाल लगाकर पार्टी कार्यकर्ता **Modi@20** सहित मोदी जी के व्यक्तित्व व प्रशासनिक कार्यकुशलता से जुड़े विषयों पर आधारित पुस्तकों को जनसामान्य तक पहुंचाएंगी। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता 'रक्तदान महादान' के संकल्प के साथ रक्तदान शिविर लगाकर रक्तदान करेंगे। इसके साथ ही सेवा पखवाड़ा के तहत प्रत्येक जिले में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किये जाएगें तथा दिव्यांगो को कृतिम अंग तथा उपकरण वितरित किये जाएगें। कोविड की बूस्टर डोज लेने के लिए जनता को प्रेरित करने हेतु टीकाकरण केन्द्रों पर स्टाल लगाकर पार्टी जागरूकता करेगी तथा लोगों को टीकाकरण केन्द्रो तक पहुंचाने का कार्य करेंगी।

सेवा पखवाड़े में सभी बूथों पर वृक्षारोपण अभियान, मण्डल स्तर पर दो दिन स्वच्छता अभियान चलाएगी। जल ही जीवन के मंत्र के साथ जल संरक्षण व संवर्धन के लिए जागरूक करेगी। भारत की विविधता में एकता का उत्सव मनाकर ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' आत्मनिर्भर भारत की सफलता की कहानी वोकल फॉर लोकल को भी समाज के हर वर्ग तक पार्टी लेकर जाएगी।

जिले में प्रबुद्धजन एवं बुद्धिजीवी सम्मेलनों के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व, विजन एवं उपलब्धियों पर व्यापक चर्चा करेगी। इसके साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा गरीब, शोषित, वंचित एवं किसानों की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था व विश्व में देश के बढ़ते हुए मान–सम्मान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को योजनाओं के लाभार्थी अभिनंदन पत्र के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित करेंगे। जबकि गांधी जयंती 2 अक्टूबर को पार्टी कार्यकर्ता स्वदेशी से स्वावलम्बी भारत के निर्माण तथा खादी, सादगी एवं स्वच्छता के लिए जागरूकता अभियान चलाएगी।

सेवा परमो धर्मः

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के प्रति संकल्पित हैं। मा0 प्रधानमंत्री जी की नीतियों एवं कार्यक्रमों में सेवा एवं गरीब कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में देशवासियों ने अनुभव किया है एवं उनके प्रति समाज के सभी वर्गों में व्यापक जनसमर्थन है।

माननीय प्रधानमंत्री जी नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिवस 17 सितम्बर को है, हम सभी कार्यकर्ता समाज के साथ मिल करके उनके जन्मदिवस को सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से ''सेवा पखवाड़ा'' के रूप में मनाते हैं एवं माननीय प्रधानमंत्री जी की दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं।

मा0 प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह जी की अध्यक्षता में 05 सितम्बर' 2022 को वर्चुअल बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें मा0 प्रदेश प्रभारी श्री राधा मोहन सिंह जी व मा0 प्रदेश महामंत्री संगठन श्री धर्मपाल जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की जन्म जयन्ती तक ''17 सितम्बर से 02 अक्टूबर' 2022'' – सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से ''सेवा पखवाड़ा'' मनाया जायेगा।

रक्तदान शिविर – (17 सितम्बर' 2022)

युवा मोर्चा द्वारा सभी 75 प्रशासनिक जनपदों में रक्तदान शिविर करना है। इस अवसर पर रक्तदान करने वाले लोंगो की सूची बनाकर क्षेत्र/प्रदेश कार्यालय पर भेंजे। कार्यक्रम के निमित युवा मोर्चा के साथ बैठकर विस्तृत योजना रचना पूर्व में ही बना लेना है। जिला अस्पताल एवं ब्लड बैंक से समन्वय बना लेना है। सर्वाधिक रक्तदान करने वाले 10 जनपदों को केन्द्रीय स्तर पर सम्मानित किया जायेगा।

नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण – स्वास्थ्य मेला– (18 सितम्बर' 2022)

सभी जिला केन्द्रों पर नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर – मेलों का आयोजन किया जाऐगा। कार्यक्रम के संदर्भ में जिले के चिकित्सा अधिकारी से समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना बनाना है। सर्वश्रेष्ठ 10 जिलों के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के आयोजको को केन्द्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाऐगा।

मोदी व्यक्तित्व प्रदर्शनी– (19 सितम्बर' 2022)

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर जिला स्तर पर प्रदर्शनी लगानी है। जिसका प्रारूप आपको भेजा जायेगा। इसके माध्यम से समाज में सकारात्मक कार्य की प्रेरणा प्राप्त हो सकेगी। यह प्रदर्शनी नमो ऐप पर डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध रहेगी, जिसे सरलतापूर्वक शेयर कर अधिक से अधिक लोंगों तक पहुंचा सकते है।

माननीय प्रधानमंत्री जी के जनकल्याणकारी कार्यो तथा प्रशासनिक कार्य कुशलता पर कई पुस्तकें लिखी गई है, उनका अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार हो तथा प्रदर्शनी में भी पुस्तकों का स्टॉल लगाया जाये। **Modi@20: Dreams Meet Delivery** (मोदी@20: सपने हुए साकार) पुस्तक का विशेष कर प्रचार – प्रसार करें।

स्वच्छता अभियान – (20, 21 सितम्बर' 2022)

20 सितम्बर को सभी मण्डलों में सामान्य सार्वजनिक स्थल/नगरीय निकाय में वार्ड स्तर तक स्वच्छता अभियान का कार्यक्रम करना है।

21 सितम्बर को सभी निमार्णाधीन अमृत सरोवरों पर स्वच्छता अभियान के लिए श्रमदान करना है। स्वच्छता के संदेश को आगे बढ़ाते हुए कार्यक्रम की फोटोग्रॉफ/वीडियों सोशल मीडिया एवं नमों ऐप पर शेयर करें। श्रेष्ठ कार्य करने वाले 20 प्रमुख मण्डलों को केन्द्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया जायेगा।

जल ही जीवन (जागरूकता अभियान)– (22 सितम्बर' 2022)

प्रत्येक जिले में ''जल ही जीवन'' है के मंत्र को लोंगो तक सेवा स्वरूप पहुंचाया जाये और वर्षा जल संरक्षण से सम्बन्धित ''कैच द रेन'' अभियान के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोंगों को जागरूक किया जायें।

प्रत्येक मण्डल में घर–घर सम्पर्क कर ''जल संरक्षण'' के तरीकों को संवाद करके बताया जाए और ऐसे प्रत्येक संवाद का वीडियों/फोटोग्रॉफ सोशल मीडिया व नमो एप के माध्यम से शेयर करें। श्रेष्ठ कार्य करने वाले 20 प्रमुख मण्डलों को केन्द्रीय स्तर पर चयनित कर सम्मानित किया जायेगा।

वोकल फार लोकल – (23 सितम्बर' 2022)

प्रत्येक जिले से उभरते हुए ''आत्मनिर्भर भारत'' की सफलता की कहानी ''वोकल फॉर लोकल'' के माध्यम से प्रदेश तक पहुंचानी है। जिला स्तर पर लोंगों को लोकल उत्पादों और व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए वन डिस्ट्रिक– वन प्रोडक्ट से जुड़ी प्रदर्शनी लगाकर लोगो को प्रेरित करना है।

इस अभियान के तहत सभी जनप्रतिनिधि, प्रदेश, क्षेत्र, जिला एवं मण्डल पदाधिकारी लोकल उत्पाद खरीदें और खरीदने का वीडियों/फोटोग्रॉफ – उस लोकल उत्पाद एवं व्यवसाय को चिन्हित करते हुए सोशल मीडिया व नमो

एपे पर शेयर करें। ऐप के माध्यम से बेहतरीन प्रोत्साहन का कार्य करने वाले 10 जिलों के अध्यक्षों को केन्द्रीय स्तर पर सम्मानित किया जायेगा।

कृत्रिम अंग एवं उपकरण वितरण कैम्प– (24 सितम्बर' 2022)

प्रत्येक जिलें में दिव्यांगों को कृत्रिम अंग एवं उपकरणों को वितरित कर सेवा करने का कार्यक्रम किया जाऐगा। इस हेतु पूर्व में दिव्यांगों की सूची तैयार करना एवं सम्बंधित क्षेत्र में कार्य करने वाले सरकारी/गैर सरकारी संस्थाओं से समन्वय

स्थापित करना है। सर्वश्रेष्ठ 10 स्थानों को चयनित कर केन्द्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाऐगा। इसकी वीडियों/फोटोग्रॉफ सोशल मीडिया व नमो ऐप के माध्यम से शेयर करें।

<u>पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी जयन्ती/मन की बात/पुष्पांजलि एवं गोष्ठी– (25 सितम्बर' 2022)</u>

हमारे प्रेरणा के केन्द्र पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयन्ती पर प्रत्येक बूथों पर कार्यक्रम करके पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व पर चर्चा तथा एक रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करना है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की विचारधारा के आधार पर पार्टी को सर्वस्पर्शी एवं सर्वव्यापी बनाने का संकल्प हम सभी कार्यकर्ताओं को लेना है।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सभी बूथों पर 'मन की बात'' सुनने का आयोजन करना है। सभी बूथों पर पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी का चित्र पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधियों का सहयोग ले सकते है।

<u>विविधता में एकता– (26 सितम्बर' 2022)</u>

विविधता में एकता भारत की विशेषता है। इस अवसर पर ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' का संदेश समाज को देने के लिए पार्टी पदाधिकारी प्रत्येक जनपद में रहने वाले अन्य प्रांत (दक्षिण भारतीय/पूर्वोत्तर राज्य/पंजाबी सहित अन्य राज्यों) के लोंगो को चिन्हित करके एवं एक स्थल पर आमंत्रित कर उनके प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत जैसे विविध खान–पान एवं भाषा को एक दिन के लिए अपनाएंगे और <u>विविधता में एकता का उत्सव</u> मनायें।ऐसे प्रत्येक कार्यक्रम की वीडियों/फोटोग्रॉफ सोशल मीडिया व नमो एपे के माध्यम से शेयर करें।

<u>शुभकामना एवं अभिनन्दन पत्र– (27 सितम्बर' 2022)</u>

माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकार द्वारा गरीब, शोषित, वंचित एवं किसानों को कल्याणकारी नीतियों का लाभ मिल रहा है, विषम परिस्थितियों के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। जिससे भारत का मान–सम्मान बढ़ रहा है, ऐसे में व्यापक अभियान के माध्यम से प्रत्येक मण्डल/शक्ति केन्द्र पर लक्ष्य निर्धारित कर प्रधानमंत्री जी को शुभकामना एवं अभिनन्दन पत्र करोड़ो लाभार्थियों के द्वारा भिजवाना है। नमो एपे को शेयर करे।

<u>प्रबुद्धजन/बुद्धिजीवी सम्मेलन– (28 सितम्बर' 2022)</u>

प्रत्येक जिले में प्रबुद्धजन/बुद्धिजीवी सम्मेलन आयोजित करना है। जिसमें मा0 प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व, विजन, नीतियों एवं उपलब्धियों पर व्यापक चर्चा हो तथा वक्ता के रूप में समाज के प्रबुद्धजनों को आमंत्रित करना है। प्रदेश में प्रबुद्धजन सम्मेलन पूर्व से चल रहे है। शेष बचे सभी जनपदों में यह कार्यक्रम सम्पन्न करना है।

<u>कोविड टीकाकरण केन्द्रों पर स्टॉल– (29 सितम्बर' 2022)</u>

माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कोविड टीकाकरण का कार्य ऐतिहासिक रूप से हुआ है, 200 करोड़ से अधिक का मुफ्त में टीकाकरण का कार्य पूरा हो चुका है, तथा बूस्टर डोज भी लगायी जा रही है। कोविड टीकाकरण केन्द्र (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र) पर स्टॉल (पार्टी बैनर सहित) लगाया जाए, उनके लिए पेयजल, चाय आवश्कतानुसार लोंगो को टीकाकरण केन्द्र तक लाने व ले जाने हेतु साधन की व्यवस्था भी करनी चाहिए।

<u>टी0बी0 मुक्त राष्ट्र– (30 सितम्बर' 2022)</u>

मोदी सरकार ने 2025 तक भारत को टी0बी0 मुक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में संकल्पबद्ध होकर महत्वपूर्ण कदम उठाये है। निःक्षय मित्र कार्यक्रम के माध्यम से टी0बी0 को पूरे देश से समाप्त करने का संकल्प लिया गया है। इस बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों की टी0बी0 अस्पताल एवं प्रत्येक मण्डल तथा वार्ड स्तर पर जानकारी प्राप्त करके जिले की सूची बनाना है साथ ही जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, पदाधिकारी की जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए 01 वर्ष के लिए रोगी को गोद लेकर उनके भोजन, पोषण एवं आजीविका के सम्बंध में सेवा का कार्य करना है।

<u>वृक्षारोपण– (01 अक्टूबर' 2022)</u>

सभी बूथों पर 05 वृक्ष लगाने का कार्यक्रम करना है। 'लाइफ **(LIFE – Lifestyle for Environment) :** प्रो–प्लेनट पीपल' **(Pro – Planet People)** के तहत वृक्षारोपण कार्य का वीडियों/फोटोग्राफ सोशल मीडिया व नमो एप के माध्यम से शेयर करें। अच्छा वृक्षारोपण करने वाले 10 प्रमुख मण्डलों को ऐप के माध्यम से चयनित कर केन्द्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाऐगा।

<u>गाँधी जयन्ती– (02 अक्टूबर' 2022)</u>

02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की जयन्ती है, सभी कार्यकर्ता बापू के सिद्धांत, स्वदेशी, खादी, स्वावलंबन, सादगी एवं स्वच्छता के बार में जागरूकता का अभियान चलाना है। खादी उत्पादों की बिक्री चार गुना बढ़ गई है, खादी विक्रय केन्द्रों के माध्यम से खरीदारी करें एवं अधिक से अधिक वीडियों/फोटोग्रॉफ सोशल मीडिया व नमो ऐप के माध्यम से अपलोड कर प्रचार–प्रसार करें।

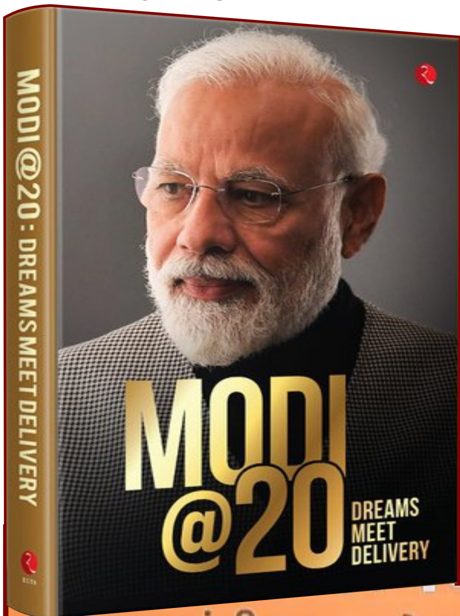

'मोदी@20 ड्रीम्स मीटडिलीवरी'

संकल्प सिद्धि के सिद्ध पुरूष है नरेन्द्र मोदी जी ये वाकय जब योगी आदित्यनाथ मोदी 20 हिन्दी संस्करण के विमोचन पर बोलते हैं तो विद्वत नगरी काशी में विद्वानों को तालियों से समर्थन मिलता है। क्योंकि काशी ने मोदी जी के संकल्पों की भव्य काशी बनते देख रहे हैं। मोदी के संकल्प कथनी करनी पूरी दुनिया देख रही है। योगी जी ने कहा कि किसी व्यक्ति की योग्यता को जांचना हो तो देखा जाता है। कि संकट के समय उसका निर्णय, धैर्य, कार्यप्रणाली क्या रही है? जिके सिद्ध पुरूष हैं नरेन्द्र मोदी।

प्रधानमंत्री मोदी अपने 'आइडिया ऑफ इंडिया' को कैसे आकार दे रहे हैं। इन्हीं सवालों का जवाब नई किताब 'मोदी@20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी' दे रही है।

उनके राजनैतिक सेवाकाल के 20 वर्ष पूर्ण होने पर देश भर में कार्यक्रम, विभिन्न प्रकार के आयोजन हो रहे है। नरेंद्र मोदी ने पहली बार 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। 7 अक्टूबर, 2021 को उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की चुनावी राजनीति में सीएम और पीएम के पद पर काम करते हुए अपने 20 साल पूरे किए। इन दो दशकों की खास बात ये है कि इनमें "आइडिया ऑफ मोदी यानि मोदी के विचार" का विस्तार हुआ है। 130 करोड़ भारतीयों की सेवा को समर्पित इस महत्वपूर्ण यात्रा के 20 साल पूरे होने के अवसर पर यह भी समझना चाहिए कि "मोदी मैजिक क्या है और यह कैसे काम करता है। यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने "आइडिया ऑफ इंडिया" को कैसे आकार दे रहे हैं। इन्हीं सवालों का जवाब नई किताब 'मोदी@20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी' दे रही है जिसका विमोचन खुद गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में किया था। ये किताब बेस्ट सेलर साबित हो रही है।

राज कुमार

मोदी पर महान विभुतियों की राय :

'मोदी@20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी' पुस्तक कुल 21 अध्याय का एक संकलन है, जिसे देश की प्रतिष्ठित और अपने–अपने क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ रही हस्तियों ने लिखा है। इस पुस्तक की प्रस्तावना स्वर कोकिला स्वर्गीय लता मंगेशकर ने लिखी है, जिन्हें भारत के हर प्रधानमंत्री के साथ संवाद करने और उनके साथ निकटता से बातचीत करने का गौरव प्राप्त था। इसलिए इस पुस्तक में पीएम मोदी को लेकर लताजी के विचार अद्वितीय ही माने जा सकते हैं। इस पुस्तक के पहले अध्याय "मोदी निर्विवादित यूथ आइकॉन क्यों हैं" में भारतीय बैडमिंटन की गौरव और विश्व विजेता–पीवी सिंधु ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों के माध्यम से "मोदी मैजिक" की व्याख्या की है। सिंधु ने लिखा है कि कैसे प्रधानमंत्री ने 'कैसे होगा से होगा कैसे नहीं की'

की सोच को बदला है। सूत्रों के मुताबिक जिन लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ काम किया है, वे सिंधु की इन टिप्पणियों में सच्चाई की पुष्टि कर सकते हैं। उन्होंने कभी किसी समस्या को एक समस्या के रूप में नहीं देखा, बल्कि देश में छिपी क्षमता को सर्वश्रेष्ठ परिणामों के लिए अनुकूलित करने के अवसर के रूप में देखा है।

भारत का नवनिर्माण

जाने माने लेखक अमीश त्रिपाठी अपने अध्याय– 'मोदी, भगीरथ प्रयासी' में लिखते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी अतीत के भारत में मजबूती से निहित आने वाले कल के भारत का निर्माण कर रहे हैं, जो अपनी सभ्यतागत विरासत से सीख लेते हुए भारत के प्रभुत्व को एक राष्ट्र–राज्य के रूप में नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत राष्ट्र के रूप में सामने रख रहे हैं। अपने सभी संबोधनों में प्रधानमंत्री का स्पष्ट संदेश है: हमें याद रखना चाहिए कि हम कौन हैं।

मोदी@20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी' – विश्लेषणात्मक व अकादमिक, दोनों शैलियों का संग्रह है. विभिन्न क्षेत्रों के योगदानकर्ताओं द्वारा

साझा किए गए व्यक्तिगत आलेखों से युक्त है। इनमें राजनीति (अमित शाह), खेल (पीवी सिंधु), कला (अनुपम खेर), अर्थशास्त्र (अरविंद पनगढ़िया), लोकप्रिय लेखक (अमीश त्रिपाठी और सुधा मूर्ति), प्रौद्योगिकी (नंदन नीलेकणी), डेटा विज्ञान (शनिका रवि), चुनाव विज्ञान (प्रदीप गुप्ता), स्वास्थ्य (डॉ. देवी शेट्टी), निजी उद्यम (उदय कोटक), आध्यात्मिकता (सद्‌गुरु), राष्ट्रीय सुरक्षा (अजीत डोभाल) और कूटनीति (डॉ. एस. जयशंकर) शामिल हैं।

संगठन का घोषणापत्र उनके लिए मां के वचन जैसा

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ऐसा पहली बार हुआ कि किसी पार्टी के घोषणापत्र को लोगों ने चुनाव के बाद आश्चर्य के साथ देखा. क्योंकि मोदी के नेतृत्व में बीजेपी अपने किए गए सभी वादों को पूरा कर रही थी। प्रधानमंत्री मोदी केवल सपने नहीं दिखा रहे थे, बल्कि वे इसका वादा कर रहे थे कि वे क्या कर सकते हैं और उन्होंने इसे कर दिखाया. पीएम मोदी अपने किए गए वादों को पूरा करने पर इतना अधिक ध्यान क्यों देते हैं? इसका उत्तर गृह मंत्री अमित शाह के लिखे गए अध्याय– 'लोकतंत्र, वितरण और आशा की राजनीति' में निहित है। शाह लिखते हैं, "उनका (प्रधानमंत्री मोदी) पार्टी से एक भावनात्मक लगाव है, जो दुर्लभ और मार्मिक है। वे पार्टी को एक मां के रूप में देखते है। पार्टी का घोषणापत्र उनके लिए उनकी मां का वचन है।

सबका सहभाग

पुस्तक का शीर्षक सही तरीके से एक वंचित सामाजिक व आर्थिक पृष्ठभूमि से आए प्रधानमंत्री मोदी की घटनापूर्ण यात्रा को परिभाषित करता है, जिसमें कोई वंशवादी विशेषाधिकार नहीं है और भारत के उच्च पद के लिए अभिजात वर्ग की मंडली से कोई संबंध नहीं है। प्रधानमंत्री कार्यालय में उनका काम सामाजिक कल्याण योजनाओं को 100 फीसदी गरीब लोगों तक पहुंचाने, महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए रोजगार से लेकर शिक्षा के लिए नए अवसर उत्पन्न करने, सामाजिक समानता, सबका साथ–सबका विकास–सबका विश्वास, सुनिश्चित करना है। ये प्रधानमंत्री मोदी ही हैं, जिन्होंने भारत में "कर सकते हैं" कि सोच का संचार किया है और सबका प्रयास (जनभागीदारी) की अत्यधिक जरूरत का आह्वान करते हुए राष्ट्र निर्माण में लोगों की भागीदारी को प्रेरित किया है।

निरंतर बढ़ती नरेन्द्र की सक्रियता लोकप्रियता

कल्याणकारी योजनाओं को 100 फीसदी जनता तक पहुंचाने का उनका वादा, अंत्योदय की बात करते हुए दीन दयाल उपाध्याय के देखे गए सपने की निरंतरता ही कही जा सकती है। मोदी@20 पुस्तक एक ऐसे व्यक्ति के भगीरथ – प्रयास को विस्तार से सामने लाती है, जो लोगों के सपनों को पूरा करने के मामले में अपनी पूरी ताकत झोंक देता है। लेखकों के मुताबिक पीएम मोदी जिस स्तर पर और जिस समर्पण के साथ काम कर रहे हैं, वे सभी देशवासियों को उम्मीद से भर देता है कि काम होगा कैसे नहीं. पिछले 20 वर्षों में लोगों की नजरों में उनकी लोकप्रियता केवल बढ़ी है।

जब पश्चिमी देशों ने भारत को जलवायु संकट के लिए दोषी साबित करने के प्रयास किए, प्रधानमंत्री ने विश्व को याद दिलाया कि भारतीय पृथ्वी सूक्त (अथर्ववेद) के लेखक, विश्वासी और अभ्यासी हैं, जिसमें प्रकृति और पर्यावरण के बारे में अद्वितीय ज्ञान है। उन्होंने ग्लासगो में कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी) में जलवायु संकट से लड़ने के लिए आपसी मतभेदों को दूर रखते हुए विश्व से एक साथ आने का आह्वान किया। अद्भुत निरंतरता के साथ वे वैश्विक नेतृत्व लोकप्रियता की सूची में शीर्ष पायदान पर रहे हैं और संभवतः यह एक जन नेता के रूप में उनकी यात्रा का सबसे उल्लेखनीय पहलू रहा है।

प्रधानसेवक की जनसेवा ''अन्त्योदय ही सर्वोपरि''

इतिहास हमें बताता है कि समय के साथ निर्वाचित नेता अपनी लोकप्रियता और आकर्षण को कम होते हुए देखते हैं। वे गलतियां करते हैं, वे थक जाते हैं, वे अपने जनादेश को हल्के में लेते हैं, वे खुद को ही सत्ता मानने लगते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ऐसा नहीं करते. उन्होंने तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री और दो बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में अपने पदों का उपयोग भारत की सेवा करने के अवसर के रूप में किया है। इसके अलावा और कुछ नहीं किया। सही मायनों में यह **"आइडिया ऑफ मोदी"** है, जिसने भारत को फिर से परिभाषित करने वाली एकीकृत शक्ति के रूप में कार्य किया है. प्रधानमंत्री मोदी को एक अमृत प्रयासी के रूप में भी रेखांकित किया जाता है, जो कभी थकते नहीं हैं, कभी काम करना और लोगों के सपनों को पूरा करना बंद नहीं करते हैं। उत्तर प्रदेश के हर जिले में इस पुस्तक पर परिचर्चा, संगोष्ठी हो रही है। जिसमे अनेक गण्मान्य विद्वान, लेखक, समाजसेवी की सहभागिता तय कर रही है कि मोदी जी की लोकप्रियता निरन्तर बढ़ रही है।

INS- विक्रान्त : राष्ट्रीय स्वाभिमान की अभिव्यक्ति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी युद्धपोत विक्रांत और जल सेना के नए निशान का लोकार्पण किया। यह आत्मनिर्भर भारत अभियान का एक अध्याय मात्र नहीं है। बल्कि इसने राष्ट्रीय गौरव और स्वाभिमान को भी दुनिया में प्रतिष्ठित किया है। स्वतंत्रता दिवस पर नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय चेतना का उद्घोष किया था। उन्होंने भारत को विकसित देशों की श्रेणी में पहुंचाने का संकल्प किया व्यक्त किया था।

उन्होने कहा था कि दासता के किसी भी निशान को हटाना, विरासत पर गर्व, एकता और अपने कर्तव्यों को पूरा करना सभी का दायित्व है। इससे भारत को विकसित बनाया जा सकता है। पंच प्रण पर अपनी शक्ति,संकल्पों और सामर्थ्य को केंद्रित करना आवश्यक है। तब यह अनुमान नहीं था कि एक पखवाड़े में ही प्रधानमंत्री का कथन चरितार्थ होने लगेगा।

स्वदेशी विक्रांत में सामरिक और नौ सेना के नए निशान में वैचारिक स्वाभिमान की झलक है। वर्तमान सरकार इन दोनों हो मोर्चों पर अभूतपूर्व कार्य कर रही है। इसके पहले अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने भी इन्हीं मोर्चों पर उल्लेखनीय पहल की थी। मोदी सरकार के दौरान इस पर शानदार प्रगति हो रही है। नरेंद्र मोदी ने विक्रांत को नौसेना के बेड़े में शामिल करने के साथ नौसेना के नए ध्वज का अनावरण करके औपनिवेशिक काल की गुलाम मानसिकता के प्रतीक से छुटकारा भी दिलाया। पहले नेवी झंडे में लाल क्रॉस बना होता था, जिसे हटा दिया गया है। नए झंडे में लाल क्रॉस की जगह अब तिरंगा ने ले ली है। छत्रपति शिवाजी ने समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने हेतु सशक्त नौसेना का निर्माण किया था. छत्रपति शिवाजी से प्रेरित इस ध्वज में उनकी राजमुद्रा का अंश है.यह भारत की समृद्ध संस्कृति का प्रतीक है। भारतीय नौसेना के नए ध्वज में सेंट जॉर्ज क्रॉस को हटा दिया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज की शाही मुहर का प्रतिनिधित्व करने वाले अष्टकोण में संलग्न एक गहरे नीले रंग की पृष्ठभूमि पर भारतीय नौसेना शिखा का परिचय देता है। नया निशान औपनिवेशिक अतीत से मुक्त है। देश की आजादी से अब तक नौसेना के निशान को चार बार बदला जा चुका है। अब तक सफेद रंग के आधार पर लाल रंग का क्रॉस बना हुआ था। जो सेंट जॉर्ज का प्रतीक है। ध्वज के ऊपरी कोने में तिरंगा और साथ ही क्रॉस के बीच में अशोक चिह्न बना हुआ है। भारतीय नौसेना को 2 अक्टूबर 1934 को नेवल सर्विस को रॉयल इंडियन नेवी का नाम दिया गया था। 26 जनवरी,1950 को इंडियन नेवी में से रॉयल शब्द को हटा

छत्रपति शिवाजी महाराज की शाही मुहर का प्रतिनिधित्व करने वाले अष्टकोण में संलग्न एक गहरे नीले रंग की पृष्ठभूमि पर भारतीय नौसेना शिखा का परिचय देता है। नया निशान औपनिवेशिक अतीत से मुक्त है।

डॉ0 दिलीप अग्निहोत्री

लिया गया। उसे भारतीय नौसेना नाम दिया गया। आजादी के पहले तक नौसेना के ध्वज में ऊपरी कोने में लगा ब्रिटिश झंडा हटाकर उसकी जगह तिरंगे को जगह दी गई। औपनिवेशिक काल के बाद अन्य पूर्व औपनिवेशिक नौसेनाओं ने अपने नए झंडे में रेड सेंट जॉर्ज क्रॉस को हटा दिया,लेकिन भारतीय नौसेना ने इसे 2001 तक बरकरार रखा। इसके बाद अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार के समय 2001 में फिर एक बार ध्वज में बदलाव किया गया। इस बार सफेद झंडे के बीच में जॉर्ज क्रॉस को हटाकर नौसेना के लोगो को जगह दी गई और ऊपरी बाएं कोने पर तिरंगे को बरकरार रखा गया। 2004 में तीसरी बार ध्वज या निशान में फिर से बदलाव करके रेड जॉर्ज क्रॉस को शामिल कर लिया गया। नए बदलाव में लाल जॉर्ज क्रॉस के बीच में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ को शामिल किया गया। 2014 में एक और बदलाव कर राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ के नीचे सत्यमेव जयते लिखा गया था। इसी प्रकार नरेन्द्र मोदी ने भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत विक्रांत राष्ट्र को सौंपा अधिकांश स्वदेशी सामग्री के साथ यह आत्मनिर्भर भारत की शानदार उपलब्धि है। यह युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में भारत को बढ़ावा देने के साथ ही नौसेना को पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता प्रदान करेगा। भारतीय बेड़े में आईएसी के शामिल होने के बाद भारतीय नौसेना आने वाले वर्षों में दुनिया की शीर्ष तीन नौसेनाओं में से एक बन गया है। भारत की स्वदेशी डिजाइन और निर्माण क्षमताओं में वृद्धि हुई है। भारत अब अमेरिका, ब्रिटेन,रूस,चीन और फ्रांस सहित उन देशों के चुनिंदा क्लबों में शामिल हो गया है, जिन्होंने चालीस हजार टन से अधिक के विमान वाहक का डिजाइन और निर्माण किया आईएसी विक्रांत को भारतीय नौसेना में शामिल किये जाने से भारत की समुद्री शक्ति में बड़ी वृद्धि हुई है. यह स्वदेशी युद्ध पोत नौसेना को पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता प्रदान करेगा।विमानवाहक पोत की लड़ाकू क्षमता, पहुंच और बहुमुखी प्रतिभा देश की रक्षा में क्षमताओं को जोड़ेगी। यह समुद्री क्षेत्र में भारत के हितों को सुरक्षित रखने में सहायक होगी। सेना के आधुनिकीरण से लेकर नई तकनीकों से लैस हथियारों और उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। यह जहाज स्वदेश निर्मित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर और हल्के लड़ाकू विमान के अलावा मिग लड़ाकू जेट,कामोव, हेलीकॉप्टरों का एयर विंग संचालन करने में सक्षम होगा। यह युद्धपोत विमान को लॉन्च करने के लिए स्की जंप से लैस है। इस पर लगभग तीस विमान एक साथ ले जाए जा सकते हैं, जिसमें लगभग पच्चीस 'फिक्स्ड-विंग' लड़ाकू विमान शामिल होंगे।पोत का पदनाम एयर डिफेंस शिप एडीएस से बदलकर स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएसी कर दिया गया। नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ देश का पहला स्वदेशी विमान वाहक पोत विक्रांत समुद्र में तैरता छोटा शहर जैसा है। लगभग दो फुटबॉल मैदान के बराबर इस युद्धपोत में लगभग बाइस सौ कंपार्टमेंट हैं, जिन्हें चालक दल के लगभग सोलह सौ सदस्यों के लिए डिजाइन किया गया है। विमानवाहक में नवीनतम चिकित्सा उपकरण सुविधाओं का अत्याधुनिक मेडिकल कॉम्प्लेक्स भी है।

'हर घर तिरंगा' अभियान

20 करोड़ से अधिक परिवारों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

'हर घर तिरंगा' अभियान को देश में अभूतपूर्व समर्थन मिला

भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 13 से 15 अगस्त तक पूरे देश में 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया गया। 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के तहत 'हर घर तिरंगा' अभियान को देश भर में अभूतपूर्व समर्थन मिला और 76वें स्वतंत्रता दिवस पर 20 करोड़ परिवारों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह देश के प्रति देशभक्ति और निष्ठा को प्रज्ज्वलित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक अभियान था।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों से राष्ट्रीय ध्वज के साथ अपने सोशल मीडिया डीपी को बदलने का आग्रह किया था और श्री मोदी ने नागरिकों को 13–15 अगस्त के दौरान 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया था।

'आजादी का अमृत महोत्सव' मोदी सरकार द्वारा आरंभ की गयी एक शानदार पहल थी, जिसने करोड़ों लोगों को इसका हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री ने 02 अगस्त, 2022 को अपने सोशल मीडिया डीपी को तिरंगा के साथ अपडेट किया। इसके बाद करोड़ों लोगों ने अपनी डीपी (प्रदर्शन चित्र) बदलकर और अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर गर्व से प्रधानमंत्री का अनुसरण किया।

अपने संदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "हर घर तिरंगा अभियान की अद्भुत प्रतिक्रिया से बहुत खुशी और गर्व महसूस कर रहा हूं। हम जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों की रिकॉर्ड भागीदारी देख रहे हैं। आजादी का अमृत महोत्सव को चिह्नित करने का यह एक शानदार तरीका है।''

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री श्री अमित शाह और भाजपा के सभी नेताओं ने भी अपने आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं। देश भर के पार्टी नेताओं ने 'प्रभात फेरी' और तिरंगा रैली सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

तिरंगे के रंग से सुशोभित हुए स्मारक

नागरिकों को इस पहल का हिस्सा बनने के लिए सांसदों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान देश के सभी कोनों में पहुंचा। 13–15 अगस्त के बीच 6 करोड़ से अधिक लोगों ने अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेल्फी ली और इसे आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया। इस अभियान के एक हिस्से के रूप में पूरे भारत में स्मारक तिरंगे के रंग में जगमगाते नजर आये।

विभिन्न उपलब्धियां हुईं हासिल

इस अभियान के तहत चंडीगढ़ के क्रिकेट स्टेडियम में 'लहराते हुए राष्ट्रीय ध्वज की दुनिया की सबसे बड़ी मानव छवि' का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया, जिसमें 5,885 लोगों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन एनआईडी फाउंडेशन और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में किया गया था। इसके अलावा, श्रीनगर के जिला प्रशासन ने स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का जश्न मनाने के लिए बख्शी स्टेडियम में 1850 मीटर लंबे राष्ट्रीय ध्वज को प्रदर्शित करके एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया।

> **चंडीगढ़ के क्रिकेट स्टेडियम में 'लहराते हुए राष्ट्रीय ध्वज की दुनिया की सबसे बड़ी मानव छवि' का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया, जिसमें 5,885 लोगों ने हिस्सा लिया**

भारत सरकार ने पूरे देश में झंडों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए थे। देश के डाकघरों में 1 अगस्त, 2022 से झंडे उपलब्ध करवाये गये थे। इसके अलावा, राज्य सरकारों ने झंडों की आपूर्ति और बिक्री के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ भी करार किया है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को जेम पोर्टल पर भी पंजीकृत किया गया।

28 राज्यों, आठ केंद्रशासित प्रदेशों और 150 से अधिक देशों में 60,000 से अधिक कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक आयोजन के साथ, 'आजादी का अमृत महोत्सव' भागीदारी के मामले में अब तक के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक था। स्वतंत्रता के 75 वर्ष का स्मरणोत्सव 12 मार्च, 2021 को 75–सप्ताह की उलटी गिनती के साथ आरंभ हुआ था, जो 15 अगस्त, 2022 को अपने पड़ाव पर पहुंचा। इस अभियान के तहत आगे भी 15 अगस्त, 2023 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहेंगे।

'हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश की जनता का विश्वास केवल और केवल भाजपा पर है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 20 अगस्त, 2022 को पांवटा साहिब के नगर परिशद् मैदान में आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में आयोजित 'प्रगतिशील हिमाचल' स्थापना के 75 वर्ष' के उपलक्ष्य में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और 1948 से लेकर 2022 तक की हिमाचल प्रदेश की विकास यात्रा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने कार्यक्रम की शुरुआत से पहले पवित्र पांवटा साहिब में गुरुग्रंथ साहिबजी को मत्था टेका, अरदास की और हिमाचल प्रदेश की जनता की मंगलकामना की। ज्ञात हो कि पवित्र पांवटा साहिब में दशम पिता गुरु गोबिंद सिंहजी ने महत्वपूर्ण साढ़े चार साल बिताये थे। साथ ही, उनके बड़े साहिबजादे का जन्म भी यहीं हुआ था। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए लड़ाई भी लड़ी थी। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेश कश्यप सहित राज्य सरकार के कई मंत्री, भाजपा विधायक और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि आजादी का अमृत काल चल रहा है। हमें 2047 में भारत को सर्वोच्च शिखर पर स्थापित करना है तो हम हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठ सकते। हमें अगले 25 वर्षों में विकसित हिमाचल और विकसित भारत का लक्ष्य लेकर चलना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। हर गांव तक पक्की सड़क पहुंची है और हर खेत तक पानी पहुंचाई जा रही है। गरीबों के लिए घर बनाए जा रहे हैं और घरों को बिजली, पानी, शौचालय, गैस कनेक्शन और आयुष्मान कार्ड से जोड़ा जा रहा है। किसानों के लिए जितना कार्य प्रधानमंत्रीजी ने किया है, उतना आज तक किसी ने भी नहीं किया। 2014 की तुलना में हमारा कृषि बजट लगभग चार गुने से भी अधिक बढ़ा है। 2014 में देश का कृषि बजट जहां केवल 33 हजार करोड़ रुपये था, वहीं इस वर्ष यह बढ़कर 1.33 लाख करोड़ रुपये हो गया है। सिंचाई योजना पर लगभग 93,000 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में लाखों किसानों को क्लेम का भुगतान कर दिया गया है। रक्षा क्षेत्र में पहले जहां हम पूरी तरह आयात पर निर्भर रहा करते थे, वहां आज हम एक्सपोर्ट हब के रूप में प्रतिष्ठित हो रहे हैं। हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट छह गुना बढ़ गया है।

श्री नड्डा ने कहा कि पहले टिटनेस, पोलियो, जापानी

बुखार और टीबी आदि की दवा को भारत आने में 25—30 साल लग गए। एक दवा तो 100 सालों में जाकर भारत आई, लेकिन जब कोरोना ने देश में दस्तक दी तो प्रधानमंत्रीजी की प्रेरणा से केवल 9 महीने में ही स्वदेशी दो—दो टीके विकसित हुए। आज देश में वैक्सीनेशन 200 करोड़ डोज का वैक्सीनेशन पार कर गया है। हमारा वैक्सीनेशन प्रोग्राम दुनिया से सबसे लार्जेस्ट और फास्टेस्ट वैक्सीन्शन प्रोग्राम है। इतना ही नहीं, भारत ने दुनिया के 100 देशों को वैक्सीन दी और लगभग 20 देशों को लगभग 25 करोड़ वैक्सीन डोज तो मुफ्त में उपलब्ध कराई गई। मतलब यह कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत अब 'लेने वाला' देश के रूप में नहीं बल्कि 'देने वाला' देश के रूप में जाना जाने लगा है।

श्री नड्डा ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में मुद्रा योजना में 35 करोड़ लोन वितरित किये गए। पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक मान्यता दी गई। 100 लाख करोड़ रुपये की गतिशक्ति योजना शुरू की गई है जो बदलते भारत का परिचायक है। 'आयुष्मान भारत' के तहत देश के लगभग 55 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त हेल्थ कवर दिया गया। इतना ही नहीं, डबल इंजन सरकार में जयराम ठाकुरजी ने भी हिमाचल प्रदेश की जनता को हिमकेयर सुरक्षा कवच दिया जिससे हिमाचल प्रदेश की पूरी आबादी को मुफ्त हेल्थ कवर मिला है।

आजादी का अमृत काल चल रहा है। हमें 2047 में भारत को सर्वोच्च शिखर पर स्थापित करना है तो हम हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठ सकते। हमें अगले 25 वर्षों में विकसित हिमाचल और विकसित भारत का लक्ष्य लेकर चलना है

कांग्रेस पर जोरदार प्रहार करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि पहले हिमाचल प्रदेश को स्पेशल स्टेटस का दर्जा मिला हुआ था। कांग्रेस की सरकार ने तो हिमाचल प्रदेश से विशेष राज्य का दर्जा तक हटा दिया था, जिसके कारण केंद्रीय योजनाओं में हिमाचल प्रदेश को 40 प्रतिशत हिस्सा देना पड़ जाता था। केंद्र में जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आई, तो प्रधानमंत्रीजी ने बिना किसी मांग के फिर से हिमाचल प्रदेश का स्पेशल स्टेटस बहाल कर दिया। आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयीजी की सरकार में हिमाचल प्रदेश को 10 वर्ष के लिए स्पेशल इंडस्ट्रियल पैकेज मिला था, लेकिन कांग्रेस की यूपीए सरकार ने 7 साल में ही इस पैकेज को ख़त्म कर दिया। तब के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंहजी ने यह दलील दी थी कि हरियाणा, पंजाब और जम्मू—कश्मीर भी इस तरह की मांग करने लगेंगे। ये अलग बात है कि आज कांग्रेस हिमाचल प्रदेश के साथ—साथ हरियाणा, जम्मू—कश्मीर और पंजाब से भी गायब हो चुकी है।

हिमाचल प्रदेश में डबल इंजन की सरकार में हुए विकास कार्यों को रेखांकित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में लगभग 1.72 लाख इज्जत घर बने, लाखों एलईडी बल्ब का वितरण हुआ, लगभग सवा तीन लाख गरीब बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस का कनेक्शन मिला और ग्राम सड़क योजना के तहत 5,000 करोड़ रुपये की लागत से राज्य में लगभग 1025 किमी सड़कों का निर्माण हुआ। कोविड के दौरान लगभग 500 करोड़ रुपये का रिलीफ पैकेज दिया गया और लगभग हर हॉस्पिटल में ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट्स लगाए गए। आज हिमाचल प्रदेश देश के पहले 'स्मोक—फ्री स्टेट' अर्थात् धुंआ रहित प्रदेश के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। औद्योगिक विकास के लिए लगभग 23,000 करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं और टूरिज्म में भी लगभग 15,000 करोड़ रुपये का एमओयू साइन हुआ है। बिलासपुर में 13,000 करोड़ रुपये की लागत से एम्स का निर्माण हुआ है और नाहन में भी 300 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज का निर्माण हुआ है। लगभग 32,000 करोड़ रुपये की लागत से 57 किमी से अधिक लंबी रोपवे के 7 प्रोजेक्ट्स पर हिमाचल प्रदेश में काम चल रहा है। शिरगुल महाराज महादेव मंदिर से चूरधार तक भी रोपवे प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। हिमाचल प्रदेश में आईआईएम बन रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश की जनता का विश्वास केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी पर है।

सरकार की उपलब्धियां

10 करोड़ ग्रामीण परिवारों को मिल रहा 'नल से जल'

'जल जीवन मिशन' के शुभारंभ के समय देश के 117 आकांक्षी जिलों में केवल 24.32 लाख (7.57:) घरों में नल का पानी था, जो अब बढ़कर 1.54 करोड़ (48.0:) हो गया है

गत 19 अगस्त, 2022 को जल जीवन मिशन ने 10 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल के माध्यम से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराकर एक नई मिसाल कायम की। गौरतलब है कि 15 अगस्त, 2019 को जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से जल जीवन मिशन की शुरुआत की, गांवों में केवल 3.23 करोड़ (16.90%) घरों में पाइप से पानी का कनेक्शन था।

अभी तक 3 राज्यों (गोवा, तेलंगाना और हरियाणा) और 3 केंद्रशासित प्रदेशों (पुडुचेरी, दादरा व नगर हवेली एवं दमन दीव तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) ने 100% कवरेज की सूचना दी है। पंजाब में 99.93%, गुजरात में 97.03%, बिहार में 95.51% और हिमाचल प्रदेश में 94.88% भी जल्द ही लक्ष्य हासिल करने के लिए तैयार हैं। 7 अगस्त, 2022 को गोवा तथा दादरा व नगर हवेली एवं दमन दीव देश में क्रमशः पहला 'हर घर जल' प्रमाणित राज्य और केंद्रशासित प्रदेश बन गए, जहां सभी गांवों के लोगों ने पर्याप्त, सुरक्षित और नियमित उपलब्धता की पुष्टि की। ग्राम सभा के माध्यम से गांवों के सभी घरों में पानी की आपूर्ति की जा रही है।

मिशन का मकसद हरेक ग्रामीण परिवार को नियमित और दीर्घकालिक आधार पर निर्धारित गुणवत्ता की पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराना है। कोविड–19 महामारी जैसी विभिन्न बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद, राज्य/केंद्रशासित प्रदेश हर ग्रामीण घर में नल का पानी सुनिश्चित करने के लिए मौसम की खराब स्थिति, दूर–दराज के दुर्गम इलाकों, पहाड़ियों, जंगल आदि जैसी चुनौतियों पर काबू पाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। कई बार पाइप और अन्य उपकरण हेलीकॉप्टरों, नावों, ऊंटों, हाथियों और घोड़ों पर ले जाया जाता है।

केंद्र और राज्य सरकारों के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप देश में 8.67 लाख (84.35%) स्कूलों और 8.96 लाख (80.34%) आंगनवाड़ी केंद्रों में नल के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। हमारे देश के 117 आकांक्षी जिलों में, मिशन के शुभारंभ के समय, केवल 24.32 लाख (7.57%) घरों में नल का पानी था जो अब बढ़कर 1.54 करोड़ (48.0%) हो गया है।

देश में कुल 5.08 लाख ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों, पानी समितियों का गठन किया गया है। साथ ही, 4.78 लाख ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तैयार की गई हैं। मिशन अवधि के दौरान देश में कुल 2,070 जल परीक्षण प्रयोगशालाओं को विकसित, सुदृढ़ और सूचीबद्ध किया गया है। जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के माध्यम से अब तक 4.51 लाख गांवों में 64 लाख से अधिक जल गुणवत्ता परीक्षण किए जा चुके हैं। अब तक 10.8 लाख ग्रामीण महिलाओं को फील्ड टेस्टिंग किट (एफटीके) का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। एफटीके का उपयोग करते हुए 1.7 लाख गांवों में प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा 58 लाख से अधिक जल गुणवत्ता परीक्षण किए गए हैं।

भारतीय सेना को मिले स्वदेश में विकसित अत्याधुनिक उपकरण एवं प्रणालियां

अत्याधुनिक उपकरणों में फ्यूचर इन्फैंट्री सोल्जर, नई पीढ़ी की एंटी-पर्सनल माइन, टैंकों के लिए अपग्रेडेड साइट सिस्टम, उच्च गतिशीलता इन्फैंट्री प्रोटेक्टेड वेहिकल्स और असॉल्ट बोट्स शामिल

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 16 अगस्त, 2022 को नई दिल्ली में स्वदेश में विकसित उपकरण एवं सिस्टम भारतीय सेना को सौंपे। इनमें फ्यूचर इन्फैंट्री सोल्जर एज ए सिस्टम (एफ–आईएनएसएएस), नई पीढ़ी की एंटी–पर्सनेल माइन 'निपुण', उन्नत क्षमताओं के साथ रुग्ड एवं स्वचालित संचार प्रणाली, टैंकों के लिए अपग्रेडेड साइट सिस्टम एवं उन्नत थर्मल इमेजर शामिल हैं। अत्याधुनिक उच्च गतिशीलता वाले इन्फैंट्री प्रोटेक्टेड व्हीकल और असॉल्ट बोट वर्चुअल माध्यम से रक्षा मंत्री द्वारा सौंपे गए, जिससे सीमा पर तैनात सैनिक किसी भी चुनौती का उचित तरीके से जवाब देने में सक्षम बन पाएं।

भारतीय सेना द्वारा संयुक्त रूप से रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और उद्योग जगत के सहयोग से सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अंतर्गत इन उपकरण/प्रणालियों को विकसित किया गया है।

श्री राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि यह उपकरण एवं प्रणालियां भारतीय सेना की अभियानगत तैयारियों को बढ़ाएंगी और उनकी दक्षता में वृद्धि करेंगी। उन्होंने कहा कि यह निजी क्षेत्र और अन्य संस्थानों के साथ साझेदारी में देश के बढ़ते 'आत्मनिर्भरता कौशल' का एक शानदार उदाहरण है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि सशस्त्र बलों की ढांचागत जरूरतें बदलते समय के साथ लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने सशस्त्र बलों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहने में मदद करने के लिए नवीनतम तकनीक पर आधारित ढांचागत विकास का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों से उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया।

क्षेत्रीय संपर्क योजना 'उड़ान' के तहत 425 नए रूट शुरू किए गए

2014 में चालू हवाई अड्डों की संख्या 74 थी। उड़ान योजना के कारण यह संख्या अब तक बढ़कर 141 हो गई है

केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) ने अपनी सफलता के 5 वर्ष पूरे कर लिये हैं। 27 अप्रैल, 2017 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी पहली उड़ान शुरू की थी। योजना की शुरुआत टियर II और टियर III शहरों में उन्नत विमानन संरचना और एयर कनेक्टिविटी के साथ 'उड़े देश का आम नागरिक' की परिकल्पना के बाद आम नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर, 2016 को हुई थी।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा 17 अगस्त को जारी एक बयान के अनुसार पिछले पांच वर्षों में उड़ान ने देश में क्षेत्रीय हवाई–संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि की है। 2014 में चालू हवाई अड्डों की संख्या 74 थी। उड़ान योजना के कारण यह संख्या अब तक बढ़कर 141 हो गई है।

उड़ान योजना के अंतर्गत 58 हवाई अड्डे, 8 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एरोड्रोम सहित 68 अपर्याप्त सुविधाओं वाले गंतव्यों को जोड़ा गया है। योजना के तहत शुरू किए गए 425 नए मार्गों के साथ उड़ान ने देश भर में 29 से अधिक राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को हवाई संपर्क प्रदान किया है। 4 अगस्त, 2022 तक एक करोड़ से अधिक यात्रियों ने इस योजना का लाभ उठाया है। इस योजना ने क्षेत्रीय कैरियरों को अपना परिचालन बढ़ाने के लिए बेहद आवश्यक मंच प्रदान किया है।

उड़ान के तहत 220 गंतव्यों (हवाई अड्डे/हेलीपोर्ट/वाटर एरोड्रोम) को 2026 तक 1000 मार्गों के साथ पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि देश के बिना संपर्क वाले गंतव्यों को हवाई संपर्क प्रदान किया जा सके। उड़ान के अंतर्गत 156 हवाई अड्डों को जोड़ने के लिए 954 मार्ग पहले ही दिए जा चुके हैं।

हिन्दी दिवस विशेष

भारतीय भाषाओं को समृद्ध बनाने का प्रण

भाषा अद्भुत लब्धि है। भाषा से समाज बना। समाज ने भाषा का संवर्द्धन किया। भाषा सामूहिक सम्पदा है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता का समूचा ज्ञान भारतीय भाषाओं में उगा। विचारों का जन्म और विकास मातृभाषा की ही गोद में होता है। मातृभाषा अभिव्यक्ति का स्वाभाविक माध्यम होती हैं। भारत में अनेक समृद्ध भाषाएं हैं। लेकिन विदेशी भाषा अंग्रेजी की ठसक है। अंग्रेजी के जानकार विशिष्ट विद्वान माने जाते हैं। अंग्रेजी ज्ञान श्रेष्ठता है। अंग्रेज भारत आए। अंग्रेजी लाए। अंग्रेजी के साथ अपनी संस्कृति भी लाए। अंग्रेजों व अंग्रेजी विद्वानों ने प्रचारित किया कि भारत पहले राष्ट्र नहीं था। अंग्रेजों ने ही भारत को राष्ट्र बनाया। इस सबसे राष्ट्रीय क्षति हुई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भोपाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित कार्यक्रम में अंग्रेजी के आकर्षण पर टिप्पणी की है, ''अंग्रेजी के मोह की वजह से हम अपनी प्रतिभा का 5 प्रतिशत उपयोग ही देश के विकास में कर पा रहे हैं। आज भी 95 प्रतिशत बच्चे मातृभाषा में पढ़ते हैं। जिस दिन स्थानीय भाषा में पढ़े बच्चों की देश की हर व्यवस्था में पूछ होगी उस दिन भारत विश्व फलक पर सूर्य की भांति चमकेगा।'' शाह की चिंता सही है। भारत को अंग्रेजी और अंग्रेजियत के मोहपाश से मुक्त होना चाहिए। अंग्रेजी को विश्वभाषा कहा जाता है। लेकिन जापान, रूस, चीन आदि देशों में अंग्रेजी की कोई हैसियत नहीं है। एशिया महाद्वीप के 48 देशों में भारत के अलावा किसी भी देश की मुख्य भाषा अंग्रेजी नहीं है। अजरबैजान की भाषा अजेरी और तुर्की है। इसराइल की हिब्रू।

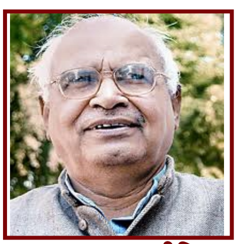

हृदय नारायण दीक्षित

उज्बेकिस्तान की उज्बेक। ईरान की फारसी। सऊदी अरब, सीरिया, इराक, जॉर्डन, यमन, बहरीन, कतर व कुवैत की भाषा अरबी है। चीन व ताइवान की भाषा मंदारिन है। श्रीलंका की सिंहली व तमिल है। अफगानिस्तान की पश्तो। तुर्की की तुर्की है। यूरोप अंग्रेजी भाषी माना जाता है। लेकिन यूरोप के 43 देशों में से 40 की भाषा अंग्रेजी नहीं है। यहां डेनमार्क की डेनिश। चेक गणराज्य की चेक। रूस की रूसी। स्वीडेन की स्वीडिश। जर्मनी की जर्मन। पोलैंड की पोलिश। इटली की इटैलियन। ग्रीस की ग्रीक। यूक्रेन की यूक्रेनी। फ्रांस की फ्रेंच। स्पेन की स्पैनिश। सिर्फ ब्रिटेन की भाषा अंग्रेजी व आयरलैंड की आयरिश व अंग्रेजी है। इसके बावजूद भारत में अंग्रेजी महारानी है। भारत पर अनंतकाल तक शासन करना अंग्रेजों का मंसूबा था। भारतीय संस्कृति, सभ्यता व मौलिक चिंतन साम्राज्यवादी हितों से मेल नहीं खाता था। भारत में अंग्रेजी का विस्तार साम्राज्यवादी हितों से जुड़ा रहा है। अंग्रेजी केवल भाषा ही नहीं है। अंग्रेजी की विशेष संस्कृति है। यह भारतीय सभ्यता और संस्कृति की विरोधी है और श्रेष्ठतावादी है। जैसे ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारत में फूट डालकर अपना स्वार्थ साधा वैसे ही अंग्रेजियत ने भारतीय भाषाओं में भेद किया।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम की भाषा मातृभाषा हिंदी व अन्य क्षेत्रीय भाषाएं थीं। कांग्रेस अपने जन्मकाल से ही अंग्रेजी को वरीयता दे रही थी। गांधी जी ने कहा था, ''अंग्रेजी ने हिंदुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध

मानता हूँ।'' (सम्पूर्ण गांधी वांग्मय 29/312) कांग्रेसी शासन ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा अंग्रेजी माध्यम से ही कराई। हिंदी व क्षेत्रीय भाषा के छात्रों के साथ अन्याय किया। जनता पार्टी की पहली गैर कांग्रेसी सरकार ने हिंदी व क्षेत्रीय भाषा भाषी छात्रों के साथ न्याय किया। 1979 से हिंदी व क्षेत्रीय भाषा भाषी छात्र भी अपनी भाषा में परीक्षा दे रहे हैं। संस्कृति, सेवायोजन व संवाद की भाषाएं भारतीय हैं। बावजूद इसके अंग्रेजी प्रभुवर्ग की भाषा बनी। मातृभाषा के उपयोग के अभाव में संस्कृति निष्प्राण होती है। अंग्रेजी को विश्वभाषा बताने वाले आत्महीन ग्रंथि के शिकार हैं। गांधी ने लखनऊ में आयोजित अखिल भारतीय एक भाषा एक लिपि सम्मेलन (1916) में कहा, ''मैं टूटी फूटी हिंदी में बोलता हूँ। अंग्रेजी बोलने में मुझे पाप लगता है।'' लेकिन अंग्रेजी बोलने वाले सभ्य थे। हिंदी बोलने वाले असभ्य थे। गांधी ने कहा था, ''मुझ जैसे लोगों को हिंदी व्यवहार के कारण धक्के खाने पड़ते हैं। किसी के सामने झुकने की जरूरत नहीं। वायसराय से भी अपनी भाषा में बात करो।''

''अंग्रेजों ने अपना शासन चलाने के लिए भारतीय समाज में कई प्रकार की हीन भावनाओं की निर्मिति की थी। अब इन भावनाओं को त्यागने का समय आ गया है।'' अब भारत आत्मविश्वासी राष्ट्र है।

संविधान सभा में राजभाषा पर लम्बी बहस हुई थी। अलगू राय शास्त्री ने कहा, ''हिंदी की होड़ है अंग्रेजी के साथ। बांग्ला, तमिल, तेलगु, कन्नड़ से नहीं। अंग्रेजी हुकूमत गई। अंग्रेजी हमारे किसी भी प्रांत की भाषा नहीं है।'' पं० नेहरू ने कहा, ''अंग्रेजी कितनी भी अच्छी हो हम इसे सहन नहीं कर सकते।'' लेकिन अंग्रेजी बनाए रखने के प्रस्ताव पर वे आयंगर से सहमत थे। उन्होंने सभा में कहा था कि हमने अंग्रेजी इस कारण स्वीकार की कि वह विजेता की भाषा थी। राजभाषा प्राविधान के प्रस्तावक एम० जी० आयंगर ने हिंदी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव रखा और कहा, ''कि हम अंग्रेजी को एकदम नहीं छोड़ सकते। हिंदी समुन्नत भाषा नहीं है।'' सत्तापक्ष की दृष्टि में अंग्रेजी समृद्ध भाषा थी और हिंदी गरीबी रेखा के नीचे। आर० वी० धुलेकर ने ''हिंदी को राष्ट्रभाषा बताया।'' कई सदस्यों ने आपत्ति की। धुलेकर ने कहा, अंग्रेजी के नाम 15 वर्ष का पट्टा लिखने से राष्ट्र का हित साधन नहीं होगा।''

स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वप्न पूरे करने के लिए 5 प्रण बताए हैं। पंच प्रण में ''गुलामी की हर सोच से मुक्ति'' महत्वपूर्ण है। अंग्रेजी भारत में गुलामी की सोच का प्रमुख स्तम्भ है। ब्रिटिश सत्ता को भारत छोड़े हुए 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। अंग्रेजी संस्कार का दुष्प्रभाव बढ़ रहा है। बेशक अंग्रेजी एक भाषा है। भाषा के रूप में उसका ज्ञान बुरा नहीं है। लेकिन भारत के लिए अंग्रेजी सिर्फ भाषा नहीं है। यह पराधीनता का स्मारक है। अंग्रेजियत के प्रभाव में भारतीय इतिहास लेखन भी दूषित हुआ है। संस्कृति और सभ्यता पर इसका दुष्प्रभाव सुस्पष्ट है। शाह ने उसी भाषण में कहा कि ''अंग्रेजों ने अपना शासन चलाने के लिए भारतीय समाज में कई प्रकार की हीन भावनाओं की निर्मिति की थी। अब इन भावनाओं को त्यागने का समय आ गया है।'' अब भारत आत्मविश्वासी राष्ट्र है। राष्ट्र जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्साह है।

संविधान (अनुच्छेद 351) में राजभाषा हिंदी के लिए केन्द्र को निर्देश हैं, ''संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिंदी भाषा का प्रसार बढ़ाए। उसका विकास करे जिससे वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रवत्ति में हस्तक्षेप किए बिना हिंदुस्तानी या और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात करते हुए और जहां आवश्यक हो वहां उसके शब्द भंडार के लिए मुख्यतः संस्कृत से और गौणतः अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करे। उसकी समृद्धि सुनिश्चित करें।'' संविधान में आठवीं अनुसूची की भाषाओं को हिंदी व संस्कृत से शब्द लेने के निर्देश हैं। अंग्रेजी से शब्द लेने के निर्देश नहीं है। इसी संवैधानिक निर्देश का पालन करते हुए हम सब को राजभाषा व सभी भारतीय भाषाओं को समृद्ध बनाने का प्रण करना चाहिए। अंग्रेजी संस्कारों से मुक्ति का यही उचित समय है।

वैचारिकी

जीवन का सुख

पं. दीनदयाल उपाध्याय

प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में सुख की भावना लेकर चलता है। मानव ही नहीं, तो प्राणिमात्र सुख के लिए लालयित है। दु:ख को टालना और सुख को प्राप्त करना, यह एक उसकी स्वाभाविक कामना रही है। मनुष्य भी प्राणी है। इसलिए वह सुख चाहता है। तो हमें विचार करना पड़ेगा कि सुख है कहां? किस चीज़ में?

साधारणतः लोग सोचते हैं कि अच्छा भोजन मिला तो सुख प्राप्त होगा। पर यह अच्छा भोजन कैसे मिले, यह किन पर निर्भर है, इसका विचार करें तो पता चलेगा कि इस विषय में हम स्वाधीन नहीं। भोजन संबंधी सुख दूसरों पर निर्भर है। रोटी हमने स्वयं नहीं बनाई, बनानेवाला दूसरा व्यक्ति है। उसने खीर, हलवा अच्छा बनाया तो ठीक, अगर रसोइयों ने ठीक न बनाया तो शक्कर, घी और आटा सब बेकार। इस प्रकार भौतिक सुख के लिए हम दूसरों पर निर्भर रहते हैं, स्वयं पर नहीं। दूसरे लोग बनाते हैं, तब हमें मिलती है। कपड़ा बनानेवाला, सिलनेवाला दूसरा आदमी यानी टेलर मास्टर होता है। उसने कपड़ा ठीक बनाया तो आराम और आनंद प्राप्त होता है। नहीं बनाया तो कठिनाई का अनुभव करना पड़ता है। एक दरज़ी ने मेरे बनियान का अंदर का हिस्सा दाहिने तरफ़ और बाहर का बाएं तरफ़ लगाया। मैं दरज़ी को मन–ही–मन ग़ाली देता रहा कृ छोटा सा सुख दरज़ी की ग़लती के कारण समाप्त हो गया। इस प्रकार कपड़े का सुख दरज़ी पर अवलंबित रहता है। वह कपड़ा कसा हुआ बना दे तो तक़लीफ़ होती है। इसी प्रकार बहुत अन्य चीजें हैं। जैसे हम बाल बनवाते हैं। एक नाई ने मेरे अजीब तरह से बाल बनाए। उसने ग़लती की, परंतु मुझे भुगतनी पड़ी। तो इस प्रकार हमारे लिए अनेक लोग काम करते रहते हैं। हम रेल में जाते हैं। गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर, गार्ड, सिग्नलवाला, स्टेशन मास्टर अनेक लोग होते हैं। यात्रा सुखद और सुरक्षित हो, इसके लिए हम जानें या न जानें, अनेक के प्रयत्न के ऊपर हमारा सुख निर्भर है।

जितनी चीजें जगत् में हैं, उनके नाम अर्थ हमें समाज से मिले हैं। हम भाषा में केवल बोलते ही नहीं, सोचते भी हैं। लोग समझते हैं कि सोच प्रकट करने का माध्यम भाषा है। परंतु सोचने का साधन भी भाषा ही है

अपनी बुद्धि के बारे में हम गर्व करते हैं। परंतु यह बुद्धि कहां से मिली? वह स्वयं की कमाई हुई नहीं है। दूसरों ने ही दी है। हमारे अध्यापक, गुरुजन हमें सोचना सिखाते हैं। हम एक सौ पांच जल्दी लिख लेते हैं। परंतु बीच में के शून्य का आविष्कार करने के लिए कितने वर्ष लगे होंगे। आज तो वह ज्ञान हमें सहज मिल जाता है। भाषा में हम कविता करते हैं। गाली देते हैं, अपना क्रोध, आनंद प्रकट करते हैं। यह भी हमें समाज के द्वारा मिली है। बहुत सी लड़ाइयां भाषा के कारण बच जाती हैं। भाषा न हो तो? हमें गुस्सा आया तो, हम किसी को 'बेवकूफ़'कह देते हैं। यदि 'बेवकूफ' शब्द न होता तो? गाय को भाषा नहीं आती। इसलिए उसे यदि गुस्सा आ जाए तो वह सींग मारती है। भाषा ने मनुष्य की मार–पीट, मुसीबत बचाई। क्रोध प्रकट करने के लिए हम शब्दों का उपयोग करते हैं। शब्दों को विशेष अर्थ दूसरे ने दिया, हमने नहीं। कुरसी को हम कुरसी क्यों कहते हैं? टेबल क्यों नहीं कहते? समाज के चार लोगों ने जो एज्यूम किया, आरबिट्रेशन किया, उस निर्णय को हम मानते हैं। जितनी चीजें जगत् में हैं, उनके नाम अर्थ हमें समाज से मिले हैं। हम भाषा में केवल बोलते ही नहीं, सोचते भी हैं। लोग समझते हैं कि सोच प्रकट करने का माध्यम भाषा है। परंतु सोचने का साधन भी भाषा ही है। हम 'आत्मा'शब्द और उसका अर्थ जानते हैं, इससे आत्मा के बारे में हम बहुत सी बातें सोच लेते हैं – 'आत्मीयता', 'अध्यात्म' इत्यादि, परंतु अंग्रेजी में योग्य शब्द नहीं हैं, इससे उनको असुविधा होती है। अंग्रेजी में सोशल कहते हैं, इसका अर्थ जीव है। इसी प्रकार मन यानी माइंड (mind) नहीं। शब्द सोचने की प्रक्रिया प्रकट करते है। शब्दों में हम शिष्टाचार भी व्यक्त करते हैं 'नमस्कार', 'पहले आप', 'कुशल हैं न' इत्यादि। इस प्रकार शब्दों से व्यवहार बनता है। यह भाषा कौन देता है? अपने आप भाषा न आएगी।

लखनऊ के अस्पताल में एक लड़का था। उसका नाम 'राम'

रखा था। जब वह बच्चा था, तो भेड़िये उसे ले गए। उन्होंने उसका पालन–पोषण किया। जंगल काटते समय वह लड़का मिला। वह आदमी जैसा प्राणी हाथ–पैर चलाता था, बोलता नहीं था, वह गुर्राता था। मुंह से लप–लप करके खाता था। अस्पताल में वह सात–आठ वर्ष रहा। बाद में मर गया। तो इस प्रकार अनेक बातें हम समाज से सीखते हैं। हम पालथी मारकर बैठते हैं, विदेशी आदमी इस तरह नहीं बैठ सकते। मैं अफ्रीका में गया था। एक स्त्री पैर फैलाकर बैठी थी। मैंने पूछा, 'यह ऐसे क्यों बैठी है? 'तो उत्तर मिला कि वहां की स्त्रियां दूसरी तरह से बैठ ही नहीं सकतीं। वैसे ही घोड़े को बैठने में कठिनाई होती है। वह गाय की तरह नहीं बैठ सकता।

मनुष्य अकेला आनंद प्राप्त नहीं कर सकता वह अकेला हंस नहीं पाता। हमने कुछ अच्छा काम किया तो हम दूसरों को दिखाते हैं। एक कहावत है, 'जंगल में मोर नाचा, किसने देखा।' दूसरों के साथ ही हम आनंद का अनुभव कर सकते हैं। कुछ आनंद का विषय हो तो हम चार लोगों को बुलाते हैं। वैसा ही देखा जाए तो विवाह का संबंध केवल वधू–वर से नहीं होता, बल्कि विवाह में बाराती चाहिए, सब लोगों को आनंद मनाना चाहिए। तब ही हम संस्कार मानते हैं। तो व्यक्ति का आनंद चार लोगों के साथ होता है।

एक स्त्री थी। उसके पति ने उसे हीरे की एक नई अंगूठी लाकर दी। वह अंगुली में पहनकर गांव में घूमकर आई, परंतु किसी ने उसकी अंगूठी के बारे में नहीं पूछा। किसी के ध्यान में नहीं आया होगा। तो उसने सोचा कि मैं अपनी अंगूठी के बारे में कैसे बताऊं। उसने अपने घर में आग लगा ली। जब लोग आए तो वह अंगूठी वाले हाथ से निर्देश देकर बताने लगी कि यहां पानी डालो, वहां पानी डालो। तब एक ने पूछा कि यह हीरे की अंगूठी कहां से आई? वह बोली 'अगर यह पहले ही पूछ लिया होता तो इस घर को आग तो न लगती।'

जब आदमी अच्छा गीत गाता है, तब किसी ने दाद न दी तो उसको लगता है कि अपना जन्म बेकार है। एक कवि के कारण मैं परेशान हुआ। रेल में एक शायर मिले। उन्होंने एक शेर सुनाया, मैंने 'अच्छा'कहा तो स्टेशन आने तक उसने मुझे एक और शेर सुनाकर तंग किया। एक संस्कृत कवि ने लिखा है —

'अरसिकेषु कवित्व निवेदनम्।
शिरसि मा लिख, मा लिख, मा लिख।'

इस प्रकार देखेंगे तो हमें मालूम होगा कि वास्तव में हमारा भौतिक बौद्धिक, मानसिक और आत्मिक सुख दूसरों पर निर्भर है। अकेलापन मन को कमजोर करता है। बच्चा अकेला हो तो उसे डर लगता है। दो मिलें तो निर्भयता आ जाती है एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं। जब लड़ाई का जमाना था, तब रेल में बहुत भीड़ रहती थी। टिकट भी बंद कर देते थे। मैं प्रवास कर रहा था, तब मैंने देखा कि एक किसान संडास के पास नीचे बैठा है। मैंने उसके अंदर जाकर बैठने को कहा, तब वह बोला, 'मेरे पास टिकट नहीं है।' फिर दूसरा भी बोला कि मेरे पास टिकट नहीं है, फिर तीसरा बोला और इस तरह सात–आठ आदमियों के पास टिकट नहीं था। तब वह डर छोड़कर अंदर जा बैठा। दुःख में अनेक साथी हों, तो दुःख कम हो जाता है। दूसरों के सुख से दुःख, दुःख से सुख जिसको होता है, ऐसा आदमी क्वचित मिलेगा।

रॉबिन्सन क्रूसो की एक कहानी बताते हैं कि उसे एक अजीब जंगली मानव मिल गया, तो उसे देखकर वह बहुत आनंदित हुआ और उसने उसका नाम फ्राइडे रखा। जो लोग कहते हैं कि एकांत में सुख है, वह ग़लत है। आदमी तो आदमी को देखना चाहता है।

क्रमशः

—संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग : मैसूर, मई 19, 1967

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 के भारतीय दल का किया अभिवादन

'एथलीट देश के युवाओं को न केवल खेल में बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अगस्त को नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेल 2022 के भारतीय दल का अभिवादन किया। इस कार्यक्रम में एथलीटों और उनके प्रशिक्षकों दोनों ने भाग लिया। इस अवसर पर केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल और सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर और युवा कार्य और खेल राज्य मंत्री श्री निसिथ प्रामाणिक भी उपस्थित रहे।

श्री मोदी ने बर्मिंघम में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शानदार प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई दी, जहां भारत ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में 22 स्वर्ण, 16 रजत और 23 कांस्य पदक जीते हैं। उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि हमारे खिलाड़ियों की शानदार मेहनत के कारण देश एक प्रेरक उपलब्धि के साथ आजादी के अमृत काल में प्रवेश कर रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि एथलीटों ने न केवल देश को पदक भेंटकर उत्सव मनाने और गर्व करने का अवसर दिया है, बल्कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि एथलीट न केवल खेल बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी देश के युवाओं को बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं।

गौरतलब है कि रास्ट्रमंडल खेल 2022 बर्मिंघम में 28 जुलाई से 08 अगस्त, 2022 तक आयोजित किये गये। इसमें भारत की तरफ से कुल 215 एथलीटों ने 19 खेल प्रतिस्पर्धाओं के 141 आयोजनों में भाग लिया।

———

श्रद्धांजलि

हे प्रभु सद्गति दें!

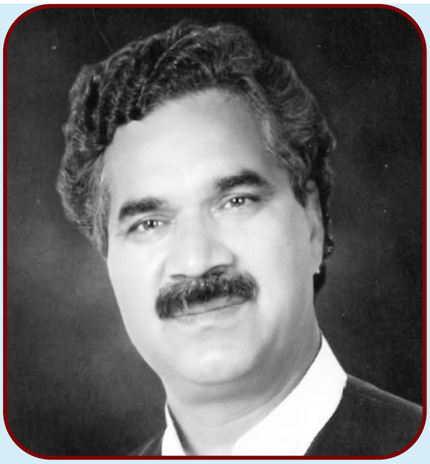

स्व0 श्री रामबीर उपाध्याय

स्व0 श्री राम नरेश रावत

स्व0 श्री अरविन्द गिरि

विगत दिनों भारतीय जनता पार्टी उ०प्र० के तीन महत्वपूर्ण कार्यकर्ताओं का निधन हुआ जो संगठन की अपूर्णनीय क्षति रही। मा० राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री ब्रजेश पाठक एवं संगठन के प्रमुख लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भाजपा नेता एवं प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री श्री रामबीर उपाध्याय जी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री राम नरेश रावत जी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भाजपा विधायक श्री अरविन्द गिरि के आकस्मिक निधन शोक व्यक्त किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों व समर्थकों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

सेवा अभियान बैठक, भाजपा मुख्यालय लखनऊ।

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91 डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2021-23
सितम्बर प्रथम अंक 2022 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 11–13 (प्रथम पाक्षिक)

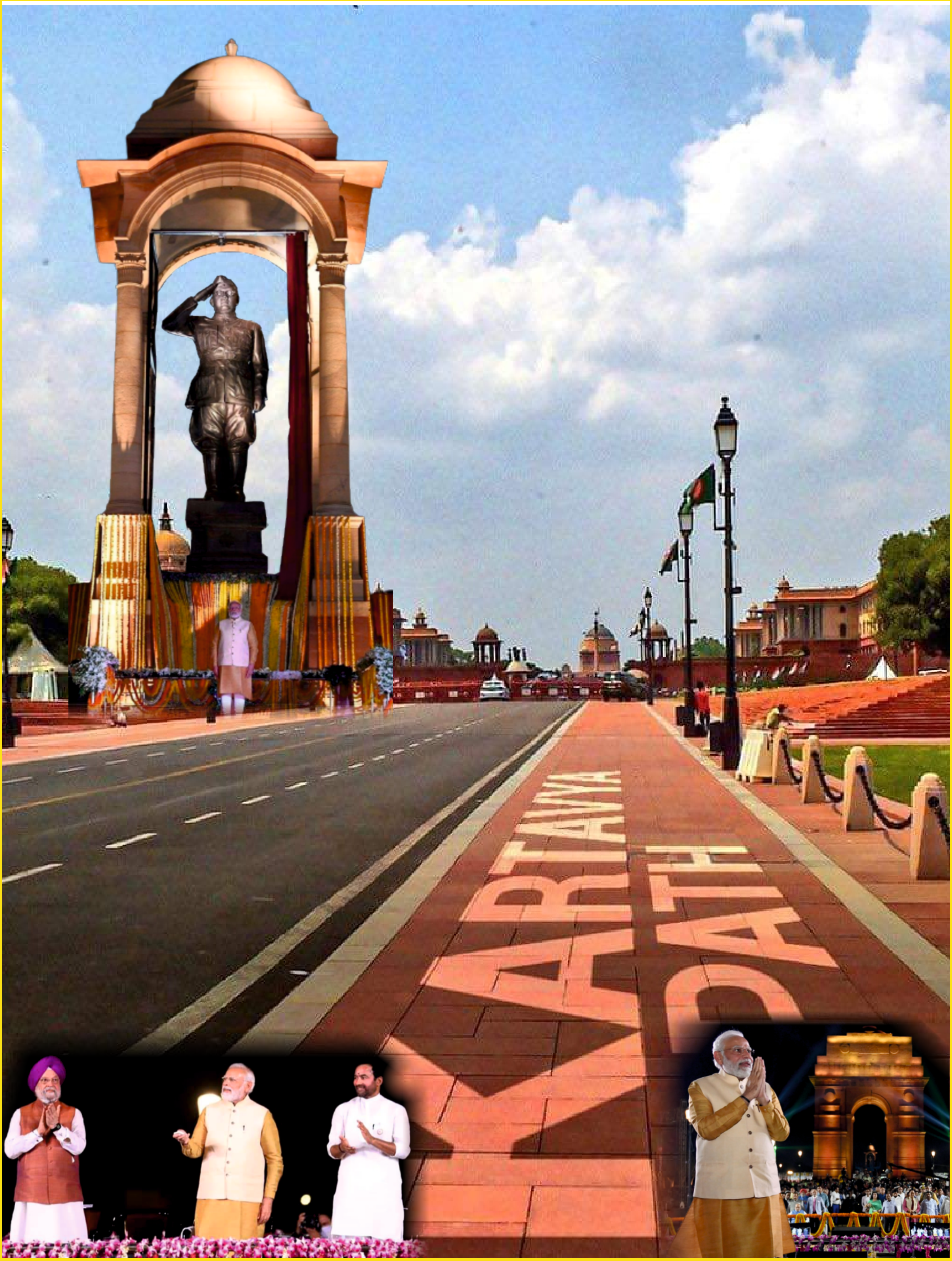

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक : अरूण कान्त त्रिपाठी